E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com
website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 126 | प्रयागराज, शुक्रवार 28 अगस्त, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

तिब्बत में लैंडस्लाइड से नेपाल में आई बाढ़, 178 लोगो मौत,1500 लापता, 300 भारतीय की तलाश जारी

काठमांडू। नेपाल-तिब्बत बॉर्डर पर बुधवार सुबह आई अचानक बाढ़ में 178 लोगों की मौत हो गई। इनमें नेपाल के 175 और तिब्बत में 3 लोगों की जान गई है। करीब 1,500 लोग अब भी लापता हैं। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल के मुताबिक वहां कुल 826 लोग लापता हैं। इसमें 300 से ज्यादा भारतीय हैं। 22 घंटे बाद ग्यिरोंग पोर्ट पहुंची चीनी रेस्क्यू टीम-खराब मौसम और टूटे रास्तों के बीच लोगों की तलाशी जारी है। नेपाली सेना ने रसुवा के टिमुरे से आज सुबह 116 लोगों को सुरक्षित निकाला है। इनमें 95 नेपाली और 21 भारतीय हैं। वहीं, तिब्बत में 550 से ज्यादा लोगों का सुराग नहीं मिल रहा है। चीन की सरकारी वेबसाइट सीसीटीवी ने इसकी जानकारी दी है। लैंडस्लाइड से 5.2 तीव्रता के भूकंप जितना झटका- बुधवार सुबह 8:37 बजे नेपाल-चीन सीमा के पास तेज झटके महसूस किए गए। शुरुआत में अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) ने इसे 4.4 तीव्रता

का भूकंप बताया था। लेकिन बाद में पता चला कि पहाड़ का एक बड़ा हिस्सा बर्फ और चट्टानों के साथ ल्हेंदे खोला नदी में गिरा था। ल्हेंदे खोला, भोटेकोशी नदी की सहायक नदी है। भोटेकोशी चीन से निकलकर नेपाल में प्रवेश करती है। बाद में यूएसजीएस ने भी स्पष्ट किया कि 5.2 तीव्रता के भूकंप जैसा यह झटका लैंडस्लाइड के कारण पैदा हुआ था। चीन-नेपाल के बीच व्यापार पर बढ़ा संकट- चीन-नेपाल सीमा पर आई भीषण बाढ़ ने दोनों देशों के बीच व्यापार से जुड़े अहम बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचाया है। बाढ़ से सीमा पर कई पुल और पोर्ट तबाह हो गए हैं। इनमें ग्यिरोंग पोर्ट भी शामिल है। चीनी सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक, 2024 में चीन-नेपाल के कुल व्यापार का करीब एक-तिहाई हिस्सा इसी रास्ते से होता था। पिछले कुछ वर्षों में सीमा पर सड़क और अन्य बुनियादी ढांचे के विकास से चीन और नेपाल के बीच व्यापार बढ़ा है। 2024 में दोनों देशों के बीच कुल व्यापार 2 अरब डॉलर से ज्यादा रहा। 2017 में ग्यिरोंग पोर्ट खुलने से चीन से नेपाल में इलेक्ट्रिक वाहनों का निर्यात भी बढ़ा है। इस साल की पहली तिमाही में नेपाल को चीन से नए ऊर्जा वाहनों का निर्यात सालाना आधार पर 25.1इ बढ़ा। बांग्लादेशी एक्ट्रेस अपु बिस्वास बाढ़ में फंसी-नेपाल में आई भीषण बाढ़ और भूस्खलन के बीच बांग्लादेशी अभिनेत्री अपु बिस्वास फंस गई हैं। वह एक फिल्म की शूटिंग के लिए नेपाल में थीं। उन्होंने बताया कि वह फिलहाल पोखरा में सुरक्षित हैं और ढाका लौटने की तैयारी कर रही हैं।

पीएम मोदी ने खेलो इंडिया डायलॉग में कहा-ओलंपिक खेलों में हिस्सेदारी बढ़ानी होगी,अभी से खिलाड़ी तैयार करें,युवाओं को स्क्रीन से ज्यादा प्लेग्राउंड चाहिए

नयी दिल्ली। पीएम मोदी ने गुरुवार को 1,500 से ज्यादा जगहों पर युवाओं और खिलाड़ियों से वर्चुअल संवाद किया। उन्होंने कहा कि ओलंपिक के 20 से ज्यादा खेलों में भारत की भागीदारी नहीं रही। ओलंपिक में भारत की भागीदारी बढ़ानी होगी। 2036 ओलंपिक के लिए अभी से खिलाड़ी तैयार करें। मोदी ने कहा- 15 अगस्त को देश के सामने स्पोर्ट्स विजन रखा। यह सिर्फ मेडल जीतने तक सीमित नहीं है, बल्कि विकसित भारत और देश की खेल शक्ति बढ़ाने का अभियान है। पीएम ने कहा- मैं हमेशा कहता हूं- जो खेले, वो खिले। आज युवाओं को स्क्रीन से ज्यादा स्पोर्ट्स सेंटर और प्लेग्राउंड चाहिए। नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री:- जब कोई खिलाड़ी सफल होता है, तो यह सिर्फ उसकी नहीं, बल्कि उसके परिवार, स्कूल, जिले और राज्य की भी उपलब्धि होती है। खिलाड़ी के विश्व स्तर पर चमकने से उसके जिले और राज्य की पहचान और मजबूत होती है। पीएम के संवाद की 6 बड़ी बातें- नेशनल स्पोर्ट्स डे और मेजर ध्यानचंद पर- 29

अगस्त को नेशनल स्पोर्ट्स डे मनाया जाता है। यह महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद को याद करने का दिन है। करीब 100 साल पहले भारतीय सेना की हॉकी टीम न्यूजीलैंड गई थी, जिसमें ध्यानचंद भी शामिल थे। भारत-न्यूजीलैंड संबंधों को आज और मजबूत किया जा रहा है। ओलंपिक में नए खेलों पर- देश के हर जिले में खेल प्रतिभाएं हैं। ओलिंपिक के 20 से ज्यादा खेलों में भारत की भागीदारी नहीं रही है, जबकि दूसरे देश मेडल जीत रहे हैं। भारत को नए खेलों में भी आगे बढ़ना होगा। लंबी समुद्री तटरेखा के बावजूद सर्फिंग में भारत अभी पीछे है। खेलो इंडिया संवाद पर- सरकार मजबूत स्पोर्ट्स इकोसिस्टम बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। खेलो इंडिया संवाद में युवा खेल, गवर्नेंस और विकसित भारत पर सुझाव दे सकेंगे। उनके विचार देश को आगे बढ़ाएंगे। स्पोर्ट्समैन स्पिरिट पर- स्वस्थ समाज और मजबूत परिवार के लिए स्पोर्ट्समैन स्पिरिट जरूरी है। खेल हमें चैंपियन के साथ बेहतर प्रतियोगी बनना सिखाते हैं। पैरा एथलीट्स की सफलता समाज और परिवारों में नई उम्मीद जगाती है। शीतल और अवनी लेखरा की उपलब्धि पर- शीतल के आर्चरी मेडल और अवनी लेखरा के दो मेडल ने जम्मू-कश्मीर और देश को गौरवान्वित किया। झंडू कुमार समेत कई पैरा एथलीट प्रेरणा दे रहे हैं। फौजा सिंह ने 100 साल की उम्र के बाद भी फिटनेस की मिसाल पेश की। स्क्रीन से ज्यादा खेल जरूरी- युवाओं को स्क्रीन से ज्यादा स्पोर्ट्स सेंटर और प्लेग्राउंड चाहिए। हर युवा की भागीदारी भारत की ताकत है। नई तकनीक से खेलों में बदलाव आ रहा है और साइकोलॉजी व न्यूट्रिशन जैसे क्षेत्रों में नए करियर बन रहे हैं। पीएम ने युवाओं से नए अवसर अपनाने और खेलों पर नए विचार देने की अपील की।

मोहम्मद यूनुस का साथी अमेरिका का खास, खलीलुर रहमान ने रद्द कराई पीएम तारिक की भारत यात्रा?

ढाका। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान की भारत यात्रा लगभग रद्द हो चुकी है। सिर्फ औपचारिक ऐलान होना बाकी है। भारत ने तारिक रहमान को ब्रिक्स शिखर हो रही थी।' इसमें आगे कहा गया है कि इससे भारत नाराज हो सकता है या तारिक रहमान को बुलाने में उसकी दिलचस्पी खत्म हो सकती है। भारत ने तारिक रहमान के ठहरने की बांग्लादेश की अंतरिम सरकार में रोहिंग्या संकट पर उच्च प्रतिनिधि और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार थे। खलीलुर रहमान इकलौते ऐसे व्यक्ति हैं, जो मोहम्मद यूनुस और तारिक

सम्मेलन के के आउटरीच सेशन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया था। भारत ने बीआइएमएसटीईसी के मौजूदा अध्यक्ष के रूप में बांग्लादेश को यह निमंत्रण भेजा है। हालांकि, बांग्लादेश का विदेश मंत्रालय शेख हसीना के प्रत्यर्पण को लेकर अड़ गया है और तारिक रहमान की यात्रा के लिए भारत से उचित माहौल बनाने को कह रहा है। इस बीच ऐसी रिपोर्ट है कि तारिक रहमान की भारत यात्रा रद्द कराने के पीछे बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान का हाथ है। नॉर्थ ईस्ट न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, यह बात सामने आ रही है कि प्रधानमंत्री तारिक रहमान के दौरे को एकतरफा ढंग से रद्द करने के बांग्लादेश सरकार के फैसले के पीछे मुख्य सूत्रधार विदेश मंत्री खलीलुर रहमान हैं, जिन्होंने शेख हसीना के प्रत्यर्पण के मुद्दे पर 'अड़ियल' रुख अपनाया है। रिपोर्ट में ढाका स्थित सुरक्षा जानकारों के हवाले से कहा गया, 'भारत-बांग्लादेश के राजनयिक संबंधों की बहाली को एक ऐसे मुद्दे का बंधक बनाया जा रहा है जिस पर आधिकारिक स्तर पर चर्चा कर दी थी व्यवस्था-इस रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने दिल्ली के ताज होटल में तारिक रहमान और उनके प्रतिनिधिमंडल के लिए 21 अगस्त से ठहरने की व्यवस्था कर दी थी। भारत और अमेरिका के बीच राजनयिक बातचीत के दौरान यह तय हुआ था कि तारिक अपनी पत्नी और बेटी के साथ द्विपक्षीय यात्रा पर 21 अगस्त को भारत आएंगे। इससे यह भी माना जाने लगा था कि तारिक रहमान सरकार मोहम्मद यूनुस की भारत विरोधी विदेश नीति से दूर हो गई है। हालांकि, अमेरिका ने दोहरा गेम खेला और भारत-बांग्लादेश संबंधों में अपने 'डीप स्टेट' को एक्टिव कर दिया। इस डीप स्टेट को विदेश मंत्री खलीलुर रहमान बताया जा रहा है। मोहम्मद यूनुस के साथी रहे हैं खलीलुर रहमान-खलीलुर रहमान ऐसे शख्स हैं, जो शेख हसीना के तख्तापलट के बाद अमेरिकी हस्तक्षेप से बनाई गई मोहम्मद यूनुस के अंतरिम सरकार में भी शामिल थे और तारिक रहमान की सरकार में भी बड़े पद पर हैं। ऐसा माना जाता है कि मोहम्मद यूनुस ने अमेरिका के ही दबाव में खलीलुर रहमान को रहमान दोनों के मंत्रिमंडल में वरिष्ठ पदों पर नियुक्त हुए हैं। अमेरिका के बेहद खास हैं खलीलुर रहमान-खलीलुर रहमान को अमेरिका का करीबी माना जाता है। वह पेशे से डिप्लोमेट हैं और लंबे समय तक जिनेवा और न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के कई वरिष्ठ पदों पर कार्य किया है। माना जाता है कि इसी दौरान उनकी अमेरिका के साथ नजदीकियां बढ़ी। उन्होंने व्यापार और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन के विशेष सलाहकार और सबसे कम विकसित देशों के प्रवक्ता के रूप में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ऐसे में जब मोहम्मद यूनुस अंतरिम सरकार का गठन कर रहे थे, तब अमेरिका ने दबाव बनाकर खलीलुर रहमान को भी बड़े पद पर नियुक्त कराया। चूंकि वर्तमान बांग्लादेशी पीएम तारिक रहमान भी दशकों तक अमेरिका में निर्वासन काट रहे थे, ऐसे में उन पर भी वॉशिंगटन का भारी दबाव है। ऐसा माना जाता है कि अमेरिका के ही करने पर तारिक रहमान ने खलीलुर रहमान को अपने मंत्रिमंडल में शामिल किया।

'पाकिस्तानियों को मिले भारत का वीजा', पाकिस्तानी एक्सपर्ट ने भारतीय राजनयिक से लगाई गुहार

इस्लामाबाद। बीते साल अप्रैल में पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान शुरू करने की अपील की है। सत्यांजल पांडेय ने इसी महीने की शुरुआत में इस्लामाबाद में

के रिश्ते तनाव से गुजर रहे हैं। दोनों देशों ने एक दूसरे के लिए वीजा सेवाएं बंद कर रखी हैं। इस बीच पाकिस्तान के अंदर भारत से संबंध ठीक करने की मांग तेज होने लगी है। पाकिस्तान में लोग भारत के साथ व्यापार शुरू करने और लोगों की आवाजाही शुरू करने की अब एक ताजा मामले में पाकिस्तान के एक वरिष्ठ पत्रकार ने इस्लामाबाद में भारतीय दूतावास के चार्ज डी अफेयर्स सत्यांजल पांडेय को खुला खत लिखा है। पाकिस्तानी पत्रकार इश्तियाक अली मेहकरी ने ट्रिब्यून में एक लेख लिखकर भारतीय उच्चायोग के प्रभारी से आम नागरिकों के लिए वीजा सेवाएं भारतीय मिशन का चार्ज संभाला है। लेख की शुरुआत में मेहकरी ने बंटवारे के बाद अपने पूर्वजों के भारत से पाकिस्तान जाने का जिक्र किया और कहा कि उन्हें आज भी सरहद के पार अपना महसूस होता है। भारत के चार्ज डी अफेयर्स को संबोधित करते हुए इश्तियाक अहमद ने लिखा, पाकिस्तान में ऐसे लाखों परिवार हैं जिनकी जड़ें बंटवारे के उस पार जुड़ी हैं और यह बात बहुत से भारतीयों के लिए भी सच है। उन्होंने कहा कि ऐसे कई परिवार हैं जिन्होंने बच्चों की शादी उस पार की है और उन्हें मजबूरी में अलग-अलग रहना पड़ता है। तनाव बना आम लोगों के लिए मुश्किल- अहमद ने आगे कहा कि राजनयिक रिश्तों में गिरावट से ऐसे लोगों को सबसे मुश्किल का सामना करना पड़ता है, जिनके अपने सीमा के दूसरी तरफ रहते हैं। उन्होंने मौजूदा वीजा पॉलिसी को परेशानी का कारण बताया और कहा कि इसमें असली आवेदकों को भी शक की नजर से देखा जाता है। इन परिवारों के लिए इमरजेंसी वीजा का कोई सिस्टम नहीं है। अहमद ने बताया कि उन्होंने चेन्नई की एक पूर्व भारतीय नागरिक से शादी की है और उन्हें शादी के 25 सालों में वीजा पाने की मुश्किलों के बारे में पता है। वीजा प्रक्रिया को आसान बनाने की अपील करते हुए उन्होंने महिला आवेदकों के लिए विशेष रूप से ध्यान देने की अपील की। वीजा सेवा शुरू करने की मांग-पाकिस्तानी पत्रकार ने अलग-अलग देशों में रह रहे परिवारों के लिए सहानुभूति के साथ एक आसान वीजा सिस्टम बनाने पर जोर दिया।उन्होंने लिखा, 'मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि परेशान व जरूरतमंद लोगों के लिए जरूरी वीजा तुरंत शुरू करने के लिए उदार दृष्टिकोण अपनाएं। मैं समझता हूं कि पॉलिसी की मंजूरी सरकार के उच्च स्तर से ही मिलनी चाहिए, लेकिन मुझे विश्वास है कि नई दिल्ली को आपकी समझदारी भरी सलाह से एक उदार नई पहल शुरू हो सकती है।'

बलूचों के खौफ से कांप उठा पाकिस्तान, बीएलए से निपटने के लिए ईरान के सामने गिड़गिड़ाए असीम मुनीर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में हालात अब पाकिस्तानी सेना के कंट्रोल से पूरी तरह बाहर हो चुके हैं।

बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के ताबड़तोड़ हमलों ने पाकिस्तानी फौज को भयानक नुकसान पहुंचाया है। हालात इतने बेकाबू हो गए हैं कि खुद पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर को अब पड़ोसी देश ईरान के सामने मदद के लिए हाथ फैलाना पड़ रहा है। आखिर बीएलए ने ऐसा क्या कर दिया है कि हथियारों का गुरूर दिखाने वाला पाकिस्तान अब ईरान की शरण में पहुंच गया है और असीम मुनीर ने बकायदा ईरान से मदद मांगी है? न्यूज 18 की रिपोर्ट के मुताबिक बलूचिस्तान में बिगड़ते सुरक्षा हालात की वजह से पाकिस्तान के आर्मी चीफ फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) और इलाके में सक्रिय दूसरे अलगाववादी समूहों के खिलाफ ईरान से ज्यादा सहयोग की जरूरत महसूस हुई है। पाकिस्तानी सेना ने बलूचों को लेकर मांगी ईरान से मदद-न्यूज 18 ने सुरक्षा से जुड़े बड़े सूत्रों के हवाले से बताया है कि ईरानी नेताओं और सैन्य अधिकारियों के साथ मुनीर की इस हफ्ते हुई बैठक के दौरान बीएलए से खतरे और कथित आतंकियों की सीमा पार आवाजाही का मुद्दा अहम रहा। माना जा रहा है कि पाकिस्तानी अधिकारियों ने इस बात पर चिंता जताई है कि पाकिस्तान-ईरान सीमा के पास वाले इलाकों में बीएलए के नेटवर्क और कैंप चल रहे हैं और बलूचिस्तान में हमले करने के बाद लड़ाके सीमा पार कर सकते हैं। असीम मुनीर की यह अपील अलगाववादी हिंसा में तेजी से हुई बढ़ोतरी के बीच आई है। 2025 में बलूचिस्तान में हिंसा की सैकड़ों घटनाएं हुईं हैं। यूरोपियन यूनियन एजेंसी फॉर असाइलम के आंकड़ों के अनुसार पिछले साल प्रांत में 386 घटनाएं हुईं और 956 लोगों की मौत हुई। पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर पीस स्टडीज के अलग आंकड़ों में 2025 में बलूच विद्रोही समूहों द्वारा 225 हमलों की बात कही गई है। क्या बीएलए के हमलों के आगे हार मान चुके हैं असीम मुनीर?बीएलए ने हमलों के लिए पाकिस्तानी सेना के बड़े और अहम लक्ष्यों को चुनना शुरू कर दिया है। मई में इस गुट ने क्वेटा में एक ट्रेन पर हुए जानलेवा हमले की जिम्मेदारी ली थी जिससे पता चलता है कि यह विद्रोही गुट परिवहन व्यवस्था को ठप करने और सुरक्षा से जुड़े बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने में सक्षम है। इस्लामाबाद के लिए ईरान सुरक्षा के लिहाज़ से एक बहुत अहम साझीदार है क्योंकि बलूचिस्तान की सीमा ईरान के सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत से लगती है और यह सीमा काफी लंबी और खुली है जिसे आसानी से पार की जाती है। यह सीमा ऐतिहासिक रूप से दोनों देशों के लिए चिंता का विषय रही है। दोनों ही देश एक-दूसरे पर आरोप लगाते रहे हैं कि विद्रोही गुट उनके इलाके का इस्तेमाल करते हैं।

नेपाल में बाढ़- अब तक 157 मौतें, मानसरोवर यात्रा पर निकले 133 भारतीयों का भी सुराग नहीं,19 पुल समेत 9 हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट बहे

काठमांडू। नेपाल में बुधवार सुबह अचानक आई बाढ़ में मरने और धादिंग के अलावा नुवाकोट, चितवन, गोरखा, तनहूं और चेकपोस्ट पर खड़े 300 से ज्यादा वाहन और ट्रक भी पानी के साथ बह गए।

भारत में इसका असर मुख्य रूप से बिहार की गंडक नदी और उससे जुड़ी छोटी-बड़ी नदियों में दिखने की आशंका है। नेपाल से करीब 3 मीटर ऊंची फ्लड वेव वालों का आंकड़ा 157 पहुंच गया है। सैकड़ों लोग लापता हैं। इनमें नेपाल सहित 25 देशों के 403 लोग हैं। सबसे ज्यादा 133 भारतीय लापता हैं। सभी कैलाश मानसरोवर यात्रा पर जा रहे थे, जिनका अब तक कुछ पता नहीं चला है। विदेश मंत्री शिशिर खनाल के मुताबिक, अलग-अलग इलाकों में 80 सुरक्षा कर्मी भी लापता हैं। इनमें 44 नेपाल आर्मी के जवान शामिल हैं। बाढ़ से रसुवा नवलपरासी ईस्ट तक के इलाके प्रभावित हुए हैं। बाढ़ इतनी तेजी से आई कि लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। पानी और मलबे ने रास्ते में आने वाले लोगों, घरों, गाड़ियों और सरकारी ढांचे को अपनी चपेट में ले लिया। देश के 9 हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट, 19 मोटरेबल पुल तबाह हो गए। नेपाल-चीन को जोड़ने वाले 42 किलोमीटर लंबा बेट्रावती-रासुवागढ़ी हाईवे भी बह गया। चीन सीमा के कस्टम आने का अलर्ट है। पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सारण, मुजफ्फरपुर और वैशाली में खास सतर्कता बरती जा रही है। सीतामढ़ी और शिवहर पर भी नजर है। नेपाल का पानी त्रिशूली नदी से होते हुए गंडक तक पहुंचेगा। इसके बाद बिहार के निचले इलाकों में पानी बढ़ सकता है। यूपी के महाराजगंज और कुशीनगर में भी अलर्ट जारी किया गया है।

टेक दिग्गज अब 'किसान' बने- अमेरिका में कृषिभूमि की होड़,गेट्स-बेजोस 7 लाख एकड़ जमीन पर आलू-गाजर उगा रहे, जुकरबर्ग कर रहे फार्मिंग

सैन फ्रांसिस्को। दुनिया के सबसे अमीर और टेक दिग्गजों में अब पशु-पालन और खेती का शौक बढ़ रहा है। अमेरिका में खेती की जमीन अब सिर्फ किसान की जरूरत नहीं, अरबपतियों के लिए बड़ा निवेश और शौक बन चुकी है। कोई यहां मवेशी पाल रहा है, तो कोई जमीन खरीदकर भविष्य ज्यादा सुरक्षित कर रहा है। मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग हवाई के काउआई द्वीप पर करीब 2,871 करोड़ रु. के 4,000 एकड़ कोउलाउ रेंच पर वाग्यू और एंगस नस्ल के मवेशी पाल रहे हैं। वहीं, रेडिट के सह-संस्थापक एलेक्सिस ओहानियन फ्लोरिडा में अपने फार्म पर केले के बाग और मधुमक्खी पालन कर रहे हैं। हालांकि, इन दिग्गजों के खेती-बारी का नया शौक अमेरिका में कृषि जमीनों को एक बेहद महंगे 'एसेट क्लास' में बदल दिया है। द लैंड रिपोर्ट' के अनुसार, माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स के पास 2.75 लाख एकड़ कृषि भूमि है, जिससे वे अमेरिका के 44वें सबसे बड़े भूस्वामी बन गए हैं। अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस 4.62 लाख एकड़ और वॉलमार्ट घराने से जुड़े स्टेन क्रोनके 27 लाख एकड़ जमीन के मालिक हैं। क्रोनके ने 2025 में न्यू मैक्सिको में 9.38 लाख एकड़ जमीन खरीदी, जिसे अमेरिकी इतिहास की सबसे बड़ी रैंच बिक्री बताया गया। अलग-अलग राज्यों में इन जमीनों पर आलू, गाजर, प्याज, सोयाबीन, मक्का और कपास जैसी फसलें उगाई जाती हैं। कुछ किसानों को लीज पर भी दी जाती है। पीपुल्स कंपनी के आंकड़ों के अनुसार, अमेरिका में कृषि भूमि 411 लाख करोड़ की परिसंपत्ति बन चुकी है। अमेरिकी कृषि विभाग के मुताबिक, बीते वर्ष खेतों के मूल्य में 4.3% की बढ़ोतरी हुई।

ब्लिंकिट-स्विगी, डीमार्ट से 5 किलो से ज्यादा शक्कर नहीं मिलेगी,एक महीने में 35फीसदी महंगी हुई

नयी दिल्ली। ब्लिंकिट, जेप्टो जैसे क्विक-कॉमर्स एप्स से अब ग्राहक एक बार में 2 से 5 किलो तक ही चीनी खरीद पाएंगे। देश में त्योहारी सीजन की शुरुआत से ठीक पहले चीनी की सप्लाई घटने और कीमतों में अचानक आई तेजी के बाद यह फैसला लिया गया है। उपभोक्ता मामले विभाग के मुताबिक, 26 अगस्त को देश में चीनी की औसत खुदरा कीमत 65.05 रुपए किलो पर पहुंच गई है। महज एक महीने पहले 26 जुलाई को यह 48 रुपए प्रति किलो थी। यानी 30 दिनों में चीनी 35.5फीसदी से महंगी हुई है। ऑफलाइन बाजार में डीमार्ट और रिलायंस रिटेल जैसे सुपरमार्केट्स ने प्रति ग्राहक 2 से 3 किलो चीनी खरीदने की सीमा तय की है। प्रमुख चीनी ब्रांड्स के एक सीनियर एग्जीक्यूटिव के मुताबिक, रिटेलर्स यह कदम जमाखोरी रोकने और हर ग्राहक को स्टॉक उपलब्ध कराने के लिए उठा रहे हैं। थोक बाजार में भी 34फीसदी महंगी हुई चीनी-थोक बाजार में भी चीनी के दाम 45 रुपए किलो से बढ़कर 60.36 रुपए किलो तक पहुंच गए हैं। पीआईबी के आंकड़ों के मुताबिक, 20 जुलाई से 20 अगस्त के बीच ही चीनी के दाम 16फीसदी तक बढ़ गए थे, जो अगस्त के आखिरी हफ्ते तक और तेज हो गए।

ईद मिलाद-उन-नबीः बड़े घोसियाना से कहारों के अडडे तक बड़ी धूमधाम से निकाला गया जुलूस। बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोग हुए शामिल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। पैगंबर मोहम्मद साहब के जन्मदिवस 'ईद मिलाद-उन-नबी' का पर्व रायबरेली में अकीदत और धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भव्य जुलूस निकाला गया, जिसमें सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को सुगम बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन और जिला प्रशासन पूरी मुस्तैदी के साथ तैनात रहा।जुलूस का शुभारंभ बड़ा घोसियाना से प्रारंभ होकर कचेहरी रोड,हाथी पार्क,सुपर मार्केट, घंटाघर चौराहे,कैपर गंज,खोया मंडी होते बड़ी ईदगाह में सभा के रुप में परिवर्तित हो गया। जुलूस में मोटरसाइकिल ,कार, ट्रैक्टर घोड़े, बग्घी तथा सैकड़ो की संख्या में पुरुष, महिलाएं, बच्चे शामिल थे। जुलूस के शुरु में भारतीय राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा के साथ साथ इस्लामिक ध्वज शामिल थे। जुलूस का जगह-जगह स्वागत किया गया और जलपान वितरित किया गया। पूरा जुलूस सौहार्द पूर्ण वातावरण में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। पुलिस प्रशासन और सामान्य प्रशासन का रहा सराहनीय सहयोग।यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने और भीड़ को नियंत्रित करने के लिए नैनी थाना प्रभारी बृज किशोर गौतम के नेतृत्व में विभिन्न चौकी प्रभारियों और पुलिस बल ने कमान संभाली। स्थानीय निवासियों और आयोजकों ने जुलूस के शांतिपूर्ण व व्यवस्थित समापन पर पुलिस प्रशासन और जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

रोजगार मेले का आयोजन हुआ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान रायबरेली में आज दिनांक 25/08/2026 को रोजगार मेले का आयोजन हुआ जिसमे ए0जी0आई0 ग्रीन पैक की ओर से सम्मत कुमार जॉली एच0आर0 और अश्वनी कुमार टेक्निकल के द्वारा साक्षत्कार लिया गया। जिसमे 50 ट्रेनीज उपस्थित हुए और अंतिम रूप से 30 ट्रेनिजो का चयन हुआ चयनितों को CSR स्टाइपेंड 15000/- रुपये प्रतिमाह मिलेगा जबकि रेगुलर होने पर वेतन 17500-25000/- रुपये प्रतिमाह देय होगा। साथ में कंपनी के नियमानुसार कैंटीन की सुविधा वर्दी जूता अन्य सुविधाएं देय हैं, चयन प्रक्रिया लिखित व साक्षात्कार के माध्यम की गई इस मेले में आशीष कुशवाहा,चंद्रकांत पांडेय, सी0एम0 श्रीवास्तव आदि ने सहयोग देकर मेले को सफल बनाया।

करेली की आवास विकास कॉलोनी की बदहाल गलियों से लोग परेशान, सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। वार्ड नंबर 99 करेली के मस्तान मार्केट स्थित हामिद रज़ा ट्यूबवेल पार्क के पास आवास विकास कॉलोनी बी-ब्लॉक की गलियों की बदहाल स्थिति को लेकर स्थानीय लोगों में नाराज़गी बढ़ती जा रही है। लंबे समय से सड़क और गलियों की समस्या से जूझ रहे लोगों ने अब सोशल मीडिया का सहारा लेते हुए वीडियो वायरल कर जिम्मेदार अधिकारियों का ध्यान इस ओर आकर्षित किया है। वायरल वीडियो में कॉलोनी की गलियों की खराब स्थिति साफ नजर आ रही है। रास्तों की बदहाली के चलते स्थानीय निवासियों को रोजाना आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि समस्या काफी समय से बनी हुई है, लेकिन शिकायतों के बावजूद अब तक इसका स्थायी समाधान नहीं हो सका है। स्थानीय लोगों ने संबंधित विभाग और नगर निगम महापौर गणेश केसरवानी से मांग की है कि मौके पर पहुंचकर स्थिति का निरीक्षण किया जाए और जल्द से जल्द गलियों की मरम्मत व जरूरी विकास कार्य कराए जाएं। लोगों का कहना है कि बेहतर सड़क और सुरक्षित आवागमन उनका बुनियादी अधिकार है, इसलिए समस्या का जल्द समाधान किया जाना जरूरी है।

जुआ खेलते हुए 12 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया, 1,88,000 रु,16 अदद मोबाइल बरामद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। थाना सिविल लाइन्स पुलिस कमिश्नरेट प्रयागराज के क्षेत्रान्तर्गत अम्बेडकर मूर्ति चौराहा के पास फोटो कापी करने वाली दुकान जिसके ऊपर अंग्रेजी में र्ण्ंइ ण्ध्ठ्ठ ॅंइ्ख का बोर्ड लगा है, के अन्दर से जुआ खेलते हुए 12 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया, जिनके पास से मालफड़ 1,25,000 रुपया, जामा तलाशी से 63000 रुपया कुल मुबलिक 1,88,000 रु0 व 16 अदद मोबाइल फोन व दो सेट 52-52 ताश के पत्तो की बरामदगी।पुलिस आयुक्त प्रयागराज व अपर पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था के कुशल निर्देशन में तथा पुलिस उपायुक्त नगर एवं अपर पुलिस उपायुक्त नगर के मार्गदर्शन में तथा सहायक पुलिस आयुक्त सिविल लाइन्स कमिश्नरेट प्रयागराज महोदय व मुझ प्रभारी निरीक्षक सिविल लाइन्स पर्यवेक्षण में थाना स्थानीय की पुलिस टीम द्वारा दिनांक- 26.08.2026 को थाना सिविल लाइन्स क्षेत्रान्तर्गत अम्बेडकर मूर्ति चौराहा के पास फोटो कापी करने वाली दुकान जिसके ऊपर अंग्रेजी में CHANDI COLD DRINK का बोर्ड लगा है, के अन्दर जुआ खेलते हुए 12 नफर अभियुक्तगण को मालफड़ 1,25,000 रुपया, जामा तलाशी से 63000 रुपया कुल मुबलिक 1,88,000 रु0 व 16 अदद मोबाइल फोन व दो सेट 52-52 ताश के पत्तो के साथ नियमानुसार गिरफ्तार किया गया गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर अभियुक्तगण उपरोक्त के विरूद्ध थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 425/2026 धारा धारा 3/4 सार्वजनिक जुआ अधिनियम पंजीकृत किया गया, जिसकी विवेचना उ0नि0- ओम प्रकाश प्रभारी चोकी साईधाम थाना सिविल लाइन्स को सुपुर्द किया गया जिसके द्वारा अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुये अभि (गण उपरोक्त का न्यायिक रिमाण्ड प्राप्त किया जायेगा। पूछताछ का विवरण- पूछताछ करने पर अभियुक्तगण कृष्णानन्द पुत्र अमरनाथ यादव निः कोरसर गोहरी थाना थरवई जनपद प्रयागराज उम्र 32 वर्ष 2. उपेन्द्र मणि त्रिपाठी पुत्र रामविलास त्रिपाठी नि0 5 भावापुर थाना खुल्दाबाद जनपद प्रयागराज उम्रर 49 वर्ष3. सुमित पाल पुत्र अनिलेश कुमार पाल नि0 67/89 रोशनबाग थाना खुल्दाबाद प्रयागराज उम्र 30 वर्ष 4. पवन कुमार गुप्ता पुत्र ओमप्रकाश गुप्ता नि0 7/7 शम्भू बैरिक न्यू कैंट थाना केण्ट प्रयागराज उम्र 48 वर्ष 5. दीपक पाल पुत्र वेशव पाल नि0 79डी 2ए भावापुर थाना करेली जनपद प्रयागराज उम्म्र 32 वर्ष 6. सर्वेश कुमार गुप्ता पुत्र सुरेश कुमार गुप्ता नि0 3के 3जी कालिन्दीपुरम थाना घूमनगंज जनपद प्रवागराज उम्र 33 वर्ष 7.पुरखान अहमद पुत्र हकीम उल्लाह नि0 मूरतगंज थाना संदीपनघाट जनपद कौशाम्बी उम्र 38 वर्ष 8. मो0 आदिल पुत्र मो0 आशिफ नि0 95डी चकिया नई आबादी थाना खुल्दाबाद जनपद प्रयागराज उम्र 29 वर्ष 9. नौशाद पुत्र भूषन निः0 लाखनपुर थाना एयरपोर्ट जनपद प्रयागराज उम्र 34 वर्ष10.मो0 बादशाह पुत्र अलाउद्दीन नि0 गयासुद्दीनपुर बेगम सराय 110/38/1पी थाना धूमनगंज प्रयागराज उम्र 25 वर्ष 11. अदनान अहमद पुत्र इरशाद अहमद नि0 38 बादशाही मण्डी थाना कोतवाली जनपद प्रयागराज उम्म्र 30 वर्ष 12. अनिल सिंह पुत्र स्व0 राजासिंह नि0 54 ई0डब्लू0एस0 प्रीतम नगर जनपद प्रयागराज उम्म्र 38 वर्ष बता रहे है कि हम सभी लोग हार-जीत की बाजी लगा कर अम्बेडकर मूर्ति चौराहा के पास फोटो कापी करने वाली दुकान जिसके ऊपर अंग्रेजी में CHANDI COLD DRINK का बोर्ड लगा है, के अन्दर जुआ खेलते है किसी को पता न चले इसी कारण बाहर से दुकान का शटर बन्द कर लेते है तथा जीत से प्राप्त पैसे से अपना व अपने परिवार का भरण पोषण करते हैं। आज आप लोगों को लोगों ने हम लोगों को पकड़ लिया गया। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम का विवरण- 1. निरीक्षक रामाश्रय यादव थाना सिविल लाइन्स कमिश्नरेट प्रयागराज । 2. उ0नि0 राजेश कुमार सिंह थाना सिविल लाइन्स कमिश्नरेट प्रयागराज। 3. उ0नि0 मंयकधर द्विवेदी, थाना सिविल लाइन्स कमिश्नरेट प्रयागराज । 4. हे0का0 राजेश कुमार थाना सिविल लाइन्स कमिश्नरेट प्रयागराज । 5, हे0का0 पारस यादव थाना सिविल लाइन्स कमिश्नरेट प्रयागराज । 6. का0 धीरज कुमार थाना सिविल लाइन्स कमिश्नरेट प्रयागराज । 7. का0 हरिगोपाल थाना सिविल लाइन्स कमिश्नरेट प्रयागराज । 8. रि0का0 बजरंगी थाना सिविल लाइन्स कमिश्नरेट प्रयागराज । 9. रि0का0 सूर्यप्रकाश थाना सिविल लाइन्स कमिश्नरेट प्रयागराज।10. रि0का0 आयुष कुमार थाना सिविल लाइन्स कमिश्नरेट प्रयागराज। 11. रि0का0 शुभम कुमार थाना सिविल लाइन्स कमिश्नरेट प्रयागराज। 12. सि)का) आजाद थाना सिविल लाइन्स कमिश्नरेट प्रयागराज। 13. रि0का0 राहुल कुमार साह थाना सिविल लाइन्स कमिश्नरेट प्रयागराज। 14. सि)का) दीपांश राज वर्मा थाना सिविल लाइन्स कमिश्नरेट प्रयागराज। 15. रि0का0 आनन्द कुमार थाना सिविल लाइन्स कमिश्नरेट प्रयागराज।

मीडिया क्लब में पत्रकार अनुराग दुबे का धूमधाम से मनाया गया जन्मदिन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। संगम नगरी में मीडिया क्लब प्रयागराज के श्री हर्ष नारायण शर्मा सभागार में पत्रकार अनुराग दुबे के जन्मदिन के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मीडिया क्लब के अध्यक्ष अनुपम शुक्ला एवं सह सचिव संतोष शर्मा के नेतृत्व में मीडिया क्लब के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर पत्रकार अनुराग ने केक काटकर अपना जन्मदिन मनाया। उपस्थित पत्रकारों एवं मीडिया क्लब सदस्यों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य और सफल पत्रकारिता जीवन की कामना की। कार्यक्रम के दौरान सभी सदस्यों ने एक-दूसरे के साथ खुशियां साझा कीं और सौहार्दपूर्ण माहौल में समारोह संपन्न हुआ। कार्यक्रम के बाद संगठन के विस्तार तथा पत्रकारिता में नए दौर की चुनौतियों और संभावनाओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई। पत्रकार मनु और रिजवान की जिस तरह मदद की गई इस तरह अन्य पत्रकारों के लिए सदैव खड़ा रहने की बात कही वक्ताओं ने पत्रकारिता के मूल्यों को बनाए रखते हुए समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों के निर्वहन पर बल दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मीडिया क्लब प्रयागराज के अध्यक्ष अनुपम शुक्ला ने की, जबकि संचालन क्लब के सह सचिव संतोष शर्मा द्वारा किया गया। समारोह में उपस्थित अन्य पत्रकारों एवं गणमान्य लोगों ने भी अनुराग दुबे को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। वही इस मौके पर पूर्व सूचना अधिकारी जीएन यादव मीडिया क्लब के उपाध्यक्ष प्रशांत शर्मा कार्यकारिणी सदस्य सलमान अहमद,प्रकाशन मंत्री दिलीप जायसवाल कार्यकारिणी सदस्य सय्यद मोहम्मद आमिर कार्यालय प्रभारी जीएन सह कार्यलय प्रभारी विलास गुप्ता कार्यकारिणी सदस्य श्यामू कुशवाहा शिवजी मालवीय आनंद श्रीवास्तव ए के नय्यर रहीम अहमद समेत कई पत्रकार साथी उपस्थित रहे।

इलाहाबाद हाईकोर्ट की सख्त कार्रवाईः स्टे ऑर्डर के बावजूद दुकान गिराने पर नगर आयुक्त और डीएम को नोटिस, कोर्ट ने दिए जमीन अटैच करने के आदेश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज/गाज़ियाबाद। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने गाजियाबाद के डुंडाहेडा वार्ड नं. 27 स्थित याचिकाकर्ता की दुकान तोड़े जाने के मामले में कड़ा रुख अपनाया है। कोर्ट के स्पष्ट स्थगन आदेश के बावजूद कार्रवाई करने पर नाराजगी जताते हुए खंडपीठ ने नगर आयुक्त, नगर निगम गाज़ियाबाद और जिला मजिस्ट्रेट को नोटिस जारी कर तीन हफ्ते में जवाब तलब किया है। इस महत्वपूर्ण कानूनी लड़ाई में याचिकाकर्ताओं की ओर से युवा अधिवक्ता विनय पाण्डेय, अंजनी कुमार शुक्ला और शिवेंद्र चौरसिया की टीम ने पैरवी की। विशेष रूप से, अधिवक्ता विनय पाण्डेय ने अदालत में मामले की कमान संभालते हुए प्रभावी और तर्कपूर्ण तथ्य रखे, जिसके आधार पर हाईकोर्ट ने कड़े कदम उठाने का निर्देश दिया। मामले के मुख्य बिंदुः-स्टे के बावजूद तोड़फोड़ः हाईकोर्ट ने 19 अगस्त 2026 को याचिकाकर्ता की दुकान (परिसर संख्या 673) के ध्वस्तीकरण पर रोक लगाई थी। इसके बावजूद, आदेश की जानकारी होने पर भी अगले ही दिन (20 अगस्त को) दुकान गिरा दी गई, जिसे कोर्ट ने न्यायिक आदेशों की अवमानना और गंभीर उल्लंघन माना है। पुनर्निर्माण खर्च की चेतावनीः कोर्ट ने नगर आयुक्त और डीएम को नोटिस देकर पूछा है कि क्यों न तोड़ी गई संपत्ति का पुनर्निर्माण उनके या उनके खर्चे पर संयुक्त रूप से कराया जाए।संपत्ति अटैच करने के आदेशः मामले की गंभीरता को देखते हुए न्यायालय ने सिविल जज (सीनियर डिवीजन), गाज़ियाबाद को आदेशित किया है कि वह तुरंत विवादित स्थल पर कंटीले तार या मजबूत बाड़ लगवाकर बोर्ड चस्पा करें कि यह संपत्ति हाईकोर्ट के आदेश (दिनांक 21.08.2026) के तहत अटैच की गई है। अदालत ने इस मामले की अगली सुनवाई के लिए 14 सितंबर 2026 की तारीख तय की है।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे सड़क हादसे में तीन यात्रियों मौत,11 घायल

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश में जिला सुलतानपुर के बल्दीराय थाना क्षेत्र में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर गुरुवार की सुबह गुड़गांव से बिहार के लिए जा रही बस सिक्स लेन पर ट्रक से टक्करा गई। हादसे में तीन यात्रियों की मौत हो गई और उसमे सवार 11 मुसाफिर हल्के और गंभीर रूप से हुए घायल हो गए है। घटना की सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जो मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मे इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। बल्दीराय थाना क्षेत्र में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर गुरुवार सुबह गुड़गांव से बिहार के लिए जा रही बस सिक्स लेन पर ट्रक से टक्कर हो गयी। स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गयी। लोगों ने राहत और बचाव कार्य में मदद किया। क्षेत्राधिकारी बल्दीराय आशुतोष कुमार ने गुरुवार को बताया कि सड़क हादसे मे तीन बस यात्रियों की मौत हो गयी है, जबकि 11 यात्रियों को चोटें आई है। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल मे भर्ती कराया गया है।

प्राथमिक विद्यालय जमालनगर, मोहीद्दीनपुर में बाढ़ राहत चौपाल आयोजित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका के निर्देश के क्रम में बाढ़ प्रभावित एवं संभावित बाढ़ प्रभावित ग्रामों में राहत चौपाल एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में प्राथमिक विद्यालय जमालनगर, मोहीद्दीनपुर में राहत चौपाल आयोजित की गई। उप जिलाधिकारी डलमऊ प्रीति सिंह के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में ग्रामीणों को बाढ़ के दौरान उत्पन्न होने वाली समस्याओं, संभावित जोखिमों तथा बचाव एवं सुरक्षा उपायों के संबंध में जागरूक किया गया। राहत चौपाल में जिला आपदा विशेषज्ञ, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सकों तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा बाढ़ के दौरान जलभराव, आवागमन, विद्युत सुरक्षा, बच्चों की सुरक्षा, स्वच्छ पेयजल एवं स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी गई। साथ ही 'क्या करें-क्या न करें' विषयक जागरूकता पोस्टर एवं प्रचार-प्रसार सामग्री के माध्यम से भी आवश्यक संदेश प्रसारित किए गए। कार्यक्रम के दौरान उप जिलाधिकारी द्वारा मोहीद्दीनपुर स्थित कच्चे पुल का भी निरीक्षण किया गया तथा बाढ़ की स्थिति को देखते हुए वहां आवागमन एवं सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। इसके साथ ही जमालपुर एवं जमालनगर क्षेत्र में भी बाढ़ की स्थिति, जलभराव एवं आवागमन की व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारी पवन कुमार श्रीवास्तव, जिला आपदा विशेषज्ञ अंकित पांडेय, नायब तहसीलदार, ब्लॉक स्तरीय पशु चिकित्सा अधिकारी, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सक, आपदा विभाग के कार्मिक मनीष मिश्रा, ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत सचिव, आशा, सीएचओ एवं एएनएम सहित संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। बाढ़ के दौरान डूबने की घटनाओं से बचाव के संबंध में ग्रामीणों को विशेष रूप से जागरूक किया गया। लोगों को सलाह दी गई कि तेज बहाव वाले नदी-नालों, गहरे जल एवं जलमग्न क्षेत्रों में जाने से बचें, बच्चों को पानी के आसपास अकेला न छोड़ें तथा नाव से यात्रा करते समय निर्धारित सुरक्षा नियमों एवं लाइफ जैकेट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करें। अज्ञात एवं गहरे पानी में तैरने, जलमग्न रास्तों से पैदल या वाहन से गुजरने तथा बिना प्रशिक्षित व्यक्ति के डूबते हुए व्यक्ति को बचाने के लिए पानी में उतरने से बचने की भी अपील की गई। साथ ही बाढ़ के दौरान सर्पदंश की संभावनाओं को देखते हुए सर्पदंश से बचाव, सर्पदंश की स्थिति में क्या करें-क्या न करें तथा तत्काल चिकित्सकीय सहायता प्राप्त करने के संबंध में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सकों द्वारा ग्रामीणों को जागरूक किया गया। सभी संबंधित विभागों को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में निरंतर निगरानी, त्वरित राहत एवं बचाव व्यवस्था तथा आवश्यक सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में फ्लड पीएसी एवं राजस्व टीमों द्वारा घाटों तथा बाढ़ प्रभावित एवं संभावित बाढ़ प्रभावित ग्रामों में निरंतर निगरानी की जा रही है। प्रशासन द्वारा आमजन से अपील की गई है कि बाढ़ के दौरान प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें, नदी एवं जलभराव वाले क्षेत्रों में अनावश्यक रूप से न जाएं, बच्चों का विशेष ध्यान रखें तथा किसी भी आपात स्थिति में तत्काल सूचना दें। आपात स्थिति में राज्य स्तरीय कंट्रोल रूम नंबर 1070, जिला स्तरीय कंट्रोल रूम नंबर 077 एवं 0535-2204086 तथा तहसील स्तरीय कंट्रोल रूम नंबर 9415743517 पर संपर्क किया जा सकता है।

आधुनिक समाचार ,कोरांव विधानसभा क्षेत्र में जमीनी जुड़ाव की मिसाल बनीं भाजपा नेता श्रीमती आरती कोल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) कोरांव। राजनीति सिर्फ मंचों, भाषणों और नारों तक सीमित नहीं होती–जब कोई पार्टी नेता आम लोगों के बीच उनके घर-द्वार तक पहुंचता है, तो भरोसे का रिश्ता और मजबूत होता है। कोरांव विधानसभा क्षेत्र में भाजपा की नेता श्रीमती आरती कोल का इसी तरह आम लोगों से सीधे मिलना क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। श्रीमती आरती कोल क्षेत्र के अलग-अलग गांवों और बस्तियों में पहुंचकर लोगों से घर-घर जाकर मुलाकात करती हैं। इस दौरान वे ग्रामीणों की बातें सुनती हैं, उनकी समस्याओं और जरूरतों को समझने का प्रयास करती हैं तथा स्थानीय लोगों के साथ आत्मीय संवाद स्थापित करती दिखाई देती हैं। तस्वीर में भी उनका यही जमीनी अंदाज नजर आ रहा है। वे एक बुजुर्ग ग्रामीण के पास बेहद सहजता और संवेदनशीलता के साथ संवाद करती दिख रही हैं। चेहरे पर अपनापन और बातचीत में आत्मीयता यह संदेश देती है कि राजनीति का असली अर्थ जनता के बीच रहकर उनकी बात सुनना है। स्थानीय स्तर पर सक्रियता की यही शैली उन्हें जमीनी नेता की पहचान दिला रही है। समर्थकों का कहना है कि गांव-गांव और घर-घर पहुंचने से कार्यकर्ताओं और आम जनता के बीच सीधा संपर्क मजबूत होता है। कोरांव की सियासत में संदेश साफ है-जनता के बीच जो नेता दिखाई देता है, जनता के सुख-दुख में जो साथ खड़ा होता है, वही जमीन पर अपनी अलग पहचान बनाता है।

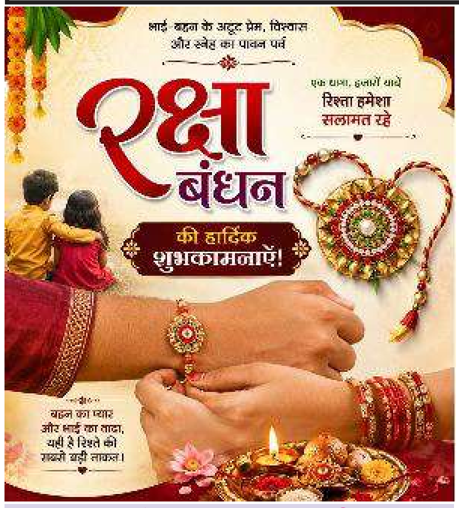

राष्ट्रीय खेल दिवस पर आईएमएस के छात्रों ने फुटबॉल, वॉलीबॉल, क्रिकेट और बॉक्सिंग में दिखाया दमखम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। राष्ट्रीय खेल दिवस के प्रभावी माध्यम हैं। आज विद्यार्थियों ने जिस उत्साह और

अवसर पर आईएमएस नोएडा में विद्यार्थियों के लिए खेल प्रतिस्पर्धा एवं मैत्री मुकाबला का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में फुटबॉल, वॉलीबॉल, क्रिकेट एवं बॉक्सिंग को शामिल किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी खेल प्रतिभा और जोश का प्रदर्शन किया। आईएमएस नोएडा की स्पोर्ट्स कोऑर्डिनेटर रीना मैसी ने बताया कि फुटबॉल एवं वॉलीबॉल के मैत्री मुकाबलों में विद्यार्थियों ने शानदार टीमवर्क और खेल भावना का परिचय दिया। वहीं क्रिकेट मैच में खिलाड़ियों ने बल्लेबाजी, गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए मुकाबले को रोमांचक बनाया। बॉक्सिंग में विद्यार्थियों ने अपनी फिटनेस, आत्मविश्वास और अनुशासन का प्रदर्शन किया। उन्होंने बताया कि खेल विद्यार्थियों में अनुशासन, टीमवर्क, नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास विकसित करने का खेल भावना के साथ हिस्सा लिया, वह सराहनीय है। फुटबॉल, वॉलीबॉल, क्रिकेट और बॉक्सिंग के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रतिस्पर्धा के साथ सहयोग और खेल भावना का महत्व समझने का अवसर मिला। आईएमएस नोएडा के वाइस प्रेसिडेंट चिराग गुप्ता ने कहा कि राष्ट्रीय खेल दिवस विद्यार्थियों को खेलों के महत्व और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करने का अवसर है। फुटबॉल, वॉलीबॉल, क्रिकेट और बॉक्सिंग जैसी खेल गतिविधियों में विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी यह दर्शाती है कि वे शिक्षा के साथ-साथ शारीरिक फिटनेस और व्यक्तित्व विकास को भी महत्व दे रहे हैं।

हमारा प्रयास है कि विद्यार्थियों को ऐसा वातावरण प्रदान किया जाए, जहां वे अपनी प्रतिभा को पहचानने और उसे निखारने के लिए निरंतर प्रेरित हों।

डीएम ने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस का किया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मुख्य निर्वाचन

अधिकारी उत्तर प्रदेश लखनऊ के निर्देशानुसार जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने कलेक्ट्रेट स्थित ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस का मासिक वाह्य निरीक्षण राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने वेयर हाउस की साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस की सुरक्षा, लाग बुक, सीसीटीवी कैमरा आदि के बारे में जानकारी ली। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, उप जिलाधिकारी सदर गौतम सिंह, प्रभारी सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी फिरोज अहमद सहित अन्य संबंधित अधिकारी व राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

महिला उद्यमी डॉ. खुशबू सिंह के साथ बच्चों ने जिलाधिकारी को राखी बांधकर मनाया रक्षाबंधन का पव

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। रक्षाबंधन के पावन रक्षाबंधन से पूर्व आर्या फैशन्स द्वारा इन बच्चों को राखी बनाने प्रशंसा की। इस अवसर पर डॉ. खुशबू सिंह ने कहा - 'हमारा

अवसर पर आज आर्या फैशन्स की संस्थापिका महिला उद्यमी डॉ. खुशबू सिंह के साथ अभय किड्स फाउंडेशन के विशेष बच्चों ने कलेक्ट्रेट, ग्रेटर नोएडा में रक्षाबंधन का पर्व बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया। आर्या फैशन्स द्वारा अभय किड्स फाउंडेशन के ऑटिज्म, डाउन सिंड्रोम एवं अन्य विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को हैंडीक्राफ्ट ट्रेनिंग प्रदान की जा रही है। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य इन बच्चों को आत्मनिर्भर बनाना और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है। का विशेष प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण में बच्चों ने अपने हाथों से अत्यंत सुंदर और रचनात्मक राखियां तैयार कीं। आज जब बच्चों ने अपने हाथों से बनाई राखियां डीएम महोदया श्रीमती मेधा रूपम को बांधीं, तो उनके चेहरे पर खुशी और उपलब्धि का भाव साफ देखा गया। डीएम महोदया ने बच्चों से आत्मीयता से बातचीत की, उनके प्रयासों की सराहना की, उनका हौसला बढ़ाया और आर्या फैशन्स द्वारा चलाई जा रही इस हैंडीक्राफ्ट प्रशिक्षण की पहल की प्रयास हर उस वर्ग के लिए है जो समाज से अछूता रह जाता है, विशेषकर विशेष बच्चे। हमारा उद्देश्य है कि ये बच्चे हुनर सीखकर आत्मसम्मान के साथ जीवन जिएं। आज इन बच्चों के चेहरे की मुस्कान और उपलब्धि का भाव ही हमारे लिए सबसे बड़ा सम्मान है।' अभय किड्स फाउंडेशन की प्रधानाचार्या दिशा कपूर जी ने भी आर्या फैशन्स के सहयोग की सराहना की और कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण से बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ता है।

निजी गाड़ियों पर 'भारत सरकार' का अवैध इस्तेमाल,काली फिल्म और ट्रैक्टरों पर बिना नंबर प्लेट का बढ़ता प्रचलन नोएडा की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। की सड़कों पर निजी इस्तेमाल पुलिस चेकिंग से बचने, टोल टैक्स चोरी करने या हैं। ?शहर में सड़कों पर बिना आगे-पीछे नंबर प्लेट के भारी-

वाहनों पर 'भारत सरकार' या 'उत्तर प्रदेश सरकार' लिखवाकर आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देने की नीयत से किया

घूमने, खिड़कियों पर प्रतिबंधित काली फिल्म चढ़ाने और ट्रैक्टरों पर बिना नंबर प्लेट का बढ़ता प्रचलन शहर की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था के लिए किसी भीषण आपराधिक घटना की आहट हो सकता है।' ?निजी वाहनों पर सरकारी नाम का जाता है, जो भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 204 और मोटर वाहन अधिनियम के तहत गंभीर अपराध है। इसके साथ ही, वाहनों पर काली फिल्म और गायब नंबर प्लेट किसी भी दुर्घटना या अपराध के बाद पहचान छुपाने की कोशिश दर्शाते भरकम ट्रैक्टरों का बढ़ता प्रचलन अत्यंत चिंताजनक है, जिनका धड़ल्ले से व्यावसायिक उपयोग किया जा रहा है।

ये ट्रैक्टर न केवल आम जनजीवन और यातायात के लिए खतरा पैदा कर रहे हैं, बल्कि किसी अनहोनी के समय चालकों की पहचान करना भी असंभव बना देते हैं। आरडब्ल्यूए सेक्टर 105 के अध्यक्ष दिव्य कृष्णात्रेय ने नोएडा पुलिस एवं यातायात विभाग से विनम्रता और दृढ़ता के साथ अपील की है कि बिना नंबर प्लेट व्यावसायिक कार्यों में लगे ट्रैक्टरों को तत्काल जब्त किया जाए, 'भारत सरकार' या 'उत्तर प्रदेश सरकार' का अनधिकृत उपयोग करने वाले वाहनों पर एफआईआर दर्ज की जाए और काली फिल्म व बिना नंबर प्लेट वाले वाहनों के खिलाफ तुरंत सख्त कानूनी अभियान चलाकर कड़ी कार्रवाई की जाए।

श्रावण मास के पावन अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। ओम शिव शक्ति मानव सेवा मंडल शाखा गंगागंज

के द्वारा श्रावण मास के पावन अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। उक्त भंडारे में बाबा अमरनाथ बर्फानी की भव्य झांकी सजाई गई। मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित संस्थापक/ अध्यक्ष राजेंद्र अवस्थी के द्वारा आरती पूजन के साथ भंडारे का शुभारंभ किया गया। भंडारे में हजारों शिव भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष में शाखा अध्यक्ष रामकुमार गुप्ता, शाखा महामंत्री हरिश्चंद्र यादव, प्रेमु साहू के साथ सैकड़ो की संख्या में शिव भक्तों के द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। मंडल की शाखों से उपस्थित सभी सी भक्तों ने बाबा बर्फानी के खूब लगाए जयकारे हर हर महादेव-जयकारा वीर बजरंगी के साथ जोगी तेरा रूप निराला अमरनाथ में डेरा डाला के जय घोष के साथ सभी शिव भक्तों में विशेष उत्साह देखा गया।इस अवसर पर गंगेश चौरसिया, मनीष गुप्ता, गोविंद श्रीवास्तव, रमाकांत द्विवेदी, बिंदु दीक्षित, पंडित सतीश त्रिवेदी गुरु जी, बबलूसिंह, राजकुमार प्रजापति, पुष्पराज गुप्ता, राजकुमार शुक्ला, आदि उपस्थित रहे।

झुग्गी-झोपड़ी की छात्राओं ने छात्रों को राखी बांधकर मनाया पवित्र रक्षाबंधन पर्व

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। महिला उन्नति संस्था एवं सावित्री बाई फुले शिक्षा केंद्र, सेक्टर-44 नोएडा के नेतृत्व में आज रक्षाबंधन का पावन पर्व बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाली सभी छात्राओं ने स्नेहपूर्वक छात्रों की कलाई में राखी बांधकर भाई-बहन के अटूट प्रेम और विश्वास के साथ इस त्योहार को मनाया। सभी छात्राओं ने भविष्य में भाई होने का फर्ज निभाने की बात भी कही । बच्चों के चेहरों पर खुशी और उत्साह देखते ही बन रहा था।कार्यक्रम का नेतृत्व संस्था की अध्यक्ष एवं शिक्षा केंद्र की संचालिका श्रीमती रेनू बाला शर्मा ने किया।इस अवसर पर रेनू बाला शर्मा जी ने सभी बच्चों और उपस्थित लोगों को रक्षाबंधन की भी हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन केवल एक कच्चा धागा ही नहीं, बल्कि भाई-बहन के स्नेह, प्रेम और विश्वास के अटूट बंधन का प्रतीक है।

राखी बांधने के लिए मिलेगा बस इतना समय

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। इस बार रक्षाबंधन का त्योहार 28 अगस्त 2026 को मनाया जाएगा रक्षाबंधन के दिन माना गया है। चौघड़िया मुहूर्त- चर मुहूर्तः सुबह 5:57 बजे से सुबह 7:33 बजे तक। शुभ का चौघड़ियाः दोपहर 12:28 बजे से सूर्य सिंह राशि में रहेंगे, जबकि गुरु कर्क राशि में स्थित होंगे ज्योतिष में सूर्य को आत्मबल, प्रतिष्ठा और ऊर्जा का कारक

बहनें भाई की कलाई पर प्रेम और स्नेह का रक्षा सूत्र बांधकर उसकी लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना करती हैं वहीं भाई भी बहन की हमेशा रक्षा करने का वचन देते हैं हर साल सावन मास की पूर्णिमा तिथि पर रक्षाबंधन का पर्व मनाया जाता है आइए जानते हैं ज्योतिषाचार्य पंडित सुधांशु तिवारी जी से इस वर्ष रक्षा बंधन में क्या कुछ है खास़। सावन पूर्णिमा पर भद्रा कब से कब तक? हिंदू पंचांग के अनुसार, सावन पूर्णिमा तिथि 27 अगस्त को सुबह 9 बजकर 8 मिनट पर शुरू होगी और 28 अगस्त को सुबह 9 बजकर 48 मिनट पर समाप्त होगी ऐसे में भद्रा काल 27 अगस्त को सुबह 9:09 बजे शुरू होगा और रात 9:25 बजे समाप्त हो जाएगा जबकि रक्षाबंधन का पर्व 28 अगस्त को मनाया जाएगा इसलिए सावन पूर्णिमा पर लग रही भद्रा का रक्षाबंधन पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा। चंद्र ग्रहण भी बेअसर- 28 अगस्त को साल का आखिरी चंद्र ग्रहण लगने वाला है भारतीय समयानुसार, साल का यह दूसरा चंद्र ग्रहण सुबह 6:53 बजे से लेकर दोपहर 12:31 बजे तक रहने वाला है खास बात यह है कि यह चंद्र ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा यह न तो भारत में दिखेगा और न ही इसका सूतक काल यहां मान्य होगा इसलिए बहनें बेझझिक शुभ मुहूर्त में भाई की कलाई पर राखी बांध सकेंगी। राखी बांधने का सर्वश्रेष्ठ मुहूर्त-रक्षाबंधन पर राखी बांधने के लिए दो अलग-अलग शुभ मुहूर्त बताए गए हैं पहला सर्वश्रेष्ठ मुहूर्त सुबह 05:58 बजे से सुबह 10:53 बजे तक रहेगा इसके बाद अभिजीत मुहूर्त दोपहर 12:04 बजे से 12:53 बजे तक बताया गया है इस अबूझ घड़ी में भी भाई की कलाई पर राखी बांधना उत्तम दोपहर 02:03 बजे तक अपराह्न काल मुहूर्तः दोपहर 01:44 बजे से शाम 04:16 बजे तक चर का चौघड़ियाः शाम 05:13 बजे से शाम 06:48 बजे तक राखी बांधने का शुभ मुहूर्त द्रिक पंचांग के मुताबिक, 28 अगस्त की राखी बांधने का पहला मुहूर्त सुबह 6 बजकर 23 मिनट से लेकर सुबह 9 बजकर 48 मिनट तक रहेगा वहीं, सुबह 10 बजकर 12 मिनट से लेकर दोपहर 12 बजकर 20 मिनट तक राहुकाल रहेगा, इसलिए इस दौरान राखी बांधने से बचने की सलाह दी जा रही है अगर सुबह राखी बांधना संभव नहीं है तो शाम के समय भी शुभ मुहूर्त में भाई की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा जा सकता है। अभिजित मुहूर्तः दोपहर 12:04 बजे से 12:53 बजे तक शुभ चौघड़ियाः दोपहर 12:28 बजे से 2:03 बजे तक .अपराह्न कालः दोपहर 1:44 बजे से शाम 4:16 बजे तक। चर चौघड़ियाः शाम 5:13 बजे से 6:48 बजे तक। रक्षाबंधन पर बन रहे कई शुभ योग-इस बार रक्षाबंधन को ज्योतिषी पंडित सुधांशु तिवारी जी के दृष्टि से भी खास बताया जा रहा है. जानकारों के मुताबिक रक्षाबंधन के दिन करीब 11 शुभ योगों का संयोग बन रहा है शतभिषा नक्षत्र के साथ अतिगंड, शोभन, शिव और विजय जैसे योग बनने की बात कही जा रही है. इसके अलावा चंद्रादि, बुधादित्य, विमल, विपरीत राजयोग, धन, उभयचरी, शकट और सुनफा योग का भी संयोग बताया जा रहा है। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार ऐसे शुभ योगों में पूजा-पाठ, दान और भाई की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधने जैसे धार्मिक कार्यों को विशेष फलदायी माना जाता है रक्षाबंधन के दिन ग्रहों की स्थिति भी महत्वपूर्ण बताई जा रही है माना जाता है, वहीं गुरु को ज्ञान, शिक्षा, बुद्धि और समृद्धि से जोड़ा जाता है चंद्रमा कुंभ राशि में रहेंगे ऐसे में ग्रहों और नक्षत्रों का यह संयोग रक्षाबंधन को धार्मिक और ज्योतिषीय दोनों दृष्टि से खास बना रहा है। रक्षाबंधन पर कैसे करें पूजा? सबसे पहले घर के मंदिर में पूजा की थाली रखें भगवान गणेश, भगवान विष्णु और अपने इष्टदेव की पूजा करें पहली राखी भगवान गणेश या भगवान कृष्ण को अर्पित करें इसके बाद, भाई का मुख पूर्व या उत्तर दिशा की ओर होना चाहिए भाई को सिर पर रुमाल या कपड़ा रखकर आसन पर बैठाएं- बहन भाई के माथे पर कुमकुम या रोली का तिलक लगाए और उस पर अक्षत लगाए भाई की दाहिनी कलाई पर मंत्र या शुभ भावना के साथ रक्षासूत्र बांधें भाई की दीपक से आरती उतारें ताकि उनकी नजर उतरे और दीर्घायु का आशीर्वाद मिले, फिर मिठाई से मुंह मीठा कराएं फिर, भाई बहन के चरण स्पर्श करके आशीर्वाद लें और सुरक्षा का वचन देते हुए उपहार भेंट करें। रक्षासूत्र या राखी कैसी होनी चाहिए?

रक्षासूत्र तीन धागों का होना चाहिए- लाल, पीला और सफेद रक्षासूत्र में चंदन लगा हो तो बेहद शुभ होगा कुछ न होने पर कलावा भी श्रद्धा पूर्वक बांध सकते हैं। रक्षाबंधन पर करें इस मंत्र का जाप -हिंदू धर्म में रक्षा बंधन की विशेष मान्यता है ऐसे में आप भी अपने भाई को राखी बांधते वक्त इस विशेष मंत्र का जाप करें माना जाता है कि इस मंत्र को जपते हए राखी बांधने से भाई-बहन में प्यार हमेशा बना रहता है राखी बांधते वक्त इस मंत्र का करें जाप 'येन बद्धो बलिराजा, दानवेन्द्रो महाबलः तेनत्वाम प्रति बद्धनामि रक्षे, माचल-माचलः।

लाडनपुर माफी में जल निकासी की समस्या से ग्रामीण परेशान, स्कूल जाने वाले बच्चों की पढ़ाई प्रभावित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मऊ। कोपागंज क्षेत्र की ग्राम सभा तथा कई स्थानों पर पानी जमा रहने से रास्ते की स्थिति खराब समाधान नहीं हो सका है। युवाओं का आरोप है कि गांव

लाडनपुर माफी में जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने से ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हो चुकी है।ग्रामीणों में इस बात को लेकर भी असंतोष बढ़ता जा रहा है कि बार-बार समस्या सामने आने के बावजूद अभी तक की दुर्दशा से जनपद के उच्च अधिकारियों को प्रभावी ढंग से अवगत कराने की आवश्यकता है, ताकि संबंधित विभाग तत्काल

गांव में जगह-जगह जलभराव की स्थिति बनी हुई है, जिसके कारण आम आवागमन प्रभावित हो गया है।जलजमाव के चलते स्कूल जाने वाले बच्चों को रास्ते से गुजरने में मुश्किल हो रही है, वहीं रोजमर्रा के कामकाज के लिए आने-जाने वाले ग्रामीण भी परेशान हैं। ग्रामीणों का कहना है कि बारिश के बाद स्थिति और भी गंभीर हो गई है शासन-प्रशासन की ओर से प्रभावी कदम नहीं उठाया गया। ग्रामीणों का कहना है कि जल निकासी की स्थायी व्यवस्था होने तक हर वर्ष इसी तरह की समस्या बनी रहेगी। गांव के कुछ युवाओं ने कहा कि क्षेत्रीय मंत्री अखिलेश तिवारी का यह पैतृक गांव है, इसके बावजूद गांव की जल निकासी जैसी मूलभूत समस्या का अब तक स्थायी कार्रवाई कर सके। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि गांव में जल निकासी की व्यवस्था का स्थलीय निरीक्षण कराकर नालियों की सफाई, जल निकासी के उचित प्रबंध और स्थायी समाधान की दिशा में शीघ्र कार्रवाई की जाए, ताकि बच्चों, बुजुर्गों और आम ग्रामीणों को आवागमन में हो रही परेशानी से राहत मिल सके।

सोनभद्र यातायात पुलिस की पैनी नज़र

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनपद सोनभद्र रेणुकूट से प्रत्येक ड्राइवर को चेक कर रहे थे , कि ड्राइवर कहीं पिया तो

चौकी क्षेत्र मुर्धवा मोड़ चौराहे पर तैनात सुरक्षा ट्रैफिक पुलिस कर्मी विभाग एवं ट्रैफिक इंचार्ज अभय कुमार त्रिपाठी और उनके टीम ने लगातार पैनी नजर बनाए रखे हुए हैं सुरक्षा को लेकर, ताकि किसी भी तरह का चुक न हो सके, गाड़ी चौराहे से गुजरने वाले ड्राइवर को रोककर सुरक्षा को लेकर मशीन नहीं है पीके गाड़ी तो नहीं चला रहा है, चेकिंग के दौरान एक ड्राइवर को चेक करने के बाद दस्तावेज भी चेक किया गया ,तो ड्राइवर के पास लाइसेंस नही मिला और ना ही तो ड्राइवर लाइसेंस दे पाया, ट्रैफिक इंचार्ज ने नियामा अनुसार उस गाड़ी को तुरंत सीज किया।

कनहर डैम- 252 परिवारों को पुनर्वास पैकेज का निर्देश,बाढ़ प्रभावित गांवों में 1 से 15 सितंबर तक लगेंगी चौपालें

सोनभद्र। सोनभद्र में कनहर डैम से प्रभावित परिवारों की भूमि, पुनर्वास और अन्य लंबित मामलों के निस्तारण को लेकर जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक की। उन्होंने कनहर विभाग और संबंधित राजस्व अधिकारियों को प्रभावित परिवारों के मामलों का प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश दिए। डीएम ने उप जिलाधिकारी ओबरा और दुद्धी को प्रभावित क्षेत्रों में भूमि की रजिस्ट्री, सत्यापन और अन्य औपचारिकताओं से जुड़े लंबित प्रकरणों को जल्द निस्तारित कराने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि पात्र परिवारों को नियमानुसार मिलने वाले लाभ में किसी तरह की अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। बैठक में नहर निर्माण के लिए किसानों की भूमि क्रय से जुड़ी समस्याओं पर भी चर्चा हुई। डीएम ने अधिकारियों को भूमि क्रय से संबंधित मामलों का परीक्षण कर नियमानुसार समाधान कराने के निर्देश दिए। उन्होंने 1 से 15 सितंबर तक कनहर डैम से प्रभावित गांवों में राजस्व और कनहर विभाग की संयुक्त चौपालें आयोजित करने को कहा। चौपालों में अधिकारी मौके पर ग्रामीणों और प्रभावित परिवारों की भूमि, रजिस्ट्री, सत्यापन, पुनर्वास समेत अन्य समस्याएं सुनेंगे। मौके पर समाधान योग्य मामलों का निस्तारण किया जाएगा, जबकि अन्य प्रकरणों की निगरानी कर उन्हें समय से निपटाया जाएगा। डूब क्षेत्र से प्रभावित शेष 252 परिवारों को पुनर्वास पैकेज देने के लिए डीएम ने सत्यापन प्रक्रिया जल्द पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने सत्यापन में पारदर्शिता और निर्धारित प्रक्रिया का पालन सुनिश्चित करने को कहा। डीएम ने कनहर डैम के शेष निर्माण कार्यों की भी समीक्षा की और उन्हें जल्द पूरा कराने के निर्देश दिए। उन्होंने बांध की सुरक्षा के लिए आवश्यक पुलिस व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा स्थानीय लोगों के आवागमन के लिए उपयुक्त स्थान पर पुल निर्माण की संभावनाओं का सर्वे कराने को भी कहा। बैठक में मुख्य अभियंता कनहर, अधीक्षण अभियंता, अधिशासी अभियंता समेत राजस्व और कनहर विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

सोनभद्र कांग्रेस अध्यक्ष पद चुनाव के लिए प्रक्रिया शुरू,प्रेक्षक ने कार्यकर्ताओं से फीडबैक लिया

सोनभद्र। सोनभद्र में कांग्रेस जिलाध्यक्ष पद के चुनाव की कार्यकर्ताओं से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने जिलाध्यक्ष पद पाठक, मोहन बियार, संगीता श्रीवास्तव और राघवेंद्र नारायण

प्रक्रिया 'संगठन सृजन अभियान' के तहत शुरू हो गई है। इसी क्रम में गुरुवार को लखनऊ से आए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रेक्षक मेंहदी साहब ने घोरावल कस्बे के वृंदावन गार्डन का दौरा किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से फीडबैक लिया। प्रेक्षक मेंहदी साहब दोपहर करीब दो बजे घोरावल पहुंचे और वहां मौजूद सैकड़ों कांग्रेस पदाधिकारियों व के दावेदारों और कार्यकर्ताओं की राय जानी। फीडबैक लेने के बाद प्रेक्षक वापस लौट गए। जिलाध्यक्ष पद के चुनाव का परिणाम बाद में घोषित किया जाएगा। तब तक दावेदारों में उहापोह की स्थिति बनी रहेगी। जिलाध्यक्ष पद के दावेदारों में वर्तमान जिलाध्यक्ष रामराज सिंह गौड़ के साथ विनोद कुमार तिवारी, बृजेश तिवारी, कौशलेश शामिल हैं। इस अवसर पर पूर्व विधायक भगवती चौधरी, विनोद कुमार पांडेय, राजबली पांडेय, इनामुल हक अंसारी, राजीव त्रिपाठी, जितेंद्र पासवान, लल्लू राम पांडेय, वंशीधर पांडेय, हनीफ खान, गोरेलाल, निगम मिश्रा, बाबूलाल पनिका, संतोष कुमार नागर और संजय तिवारी सहित सैकड़ों कांग्रेसी कार्यकर्ता मौजूद थे।

एनटीपीसी विंध्याचल में नोसेट 2026 प्रतियोगिता हुई पूरी, अधिकारियों ने प्रस्तुत किए व्यावसायिक समाधान

सोनभद्र। एनटीपीसी विंध्याचल में गुरुवार को एग्जीक्यूटिव टैलेंट के लिए खुली प्रतियोगिता 'नोसेट 2026' का सफल आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य अधिकारियों को उनके नवाचारपूर्ण विचारों, रचनात्मकता और संगठनात्मक उत्कृष्टता के लिए प्रभावी व्यावसायिक समाधान प्रस्तुत करने हेतु एक मंच प्रदान करना था। इस प्रतियोगिता में एग्जीक्यूटिव ट्रेनी से लेकर अपर महाप्रबंधक स्तर तक के अधिकारियों की कुल 11 टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने अपने-अपने विभागों से संबंधित विभिन्न चुनौतियों के लिए नए और व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत किए। प्रस्तुतियों का मूल्यांकन स्टेशन के वरिष्ठ नेतृत्व दल के प्रतिष्ठित निर्णायक मंडल द्वारा किया गया। निर्णायक मंडल में कार्यकारी निदेशक (विंध्याचल) किशोर कुमार होता, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण) एम. सुरेश, महाप्रबंधक (टीएस एंड प्रोजेक्ट) देबब्रत त्रिपाठी और

रिलायंस पावर सासन के हेड (एल एंड डी) निशांत गुप्ता शामिल थे। प्रतियोगिता में सुमन कुमार सिंह, अपर महाप्रबंधक (प्रचालन), सौरभ बनौधा, अपर महाप्रबंधक (आईटी), बलजीत यादव, उप महाप्रबंधक (प्रचालन) और स्वास्ति गरनायक, वरिष्ठ प्रबंधक (आईटी) की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान धीर सिंह चौहान, उप महाप्रबंधक (सी एंड आई) और उत्कर्ष शुक्ला, इंजीनियर (सी एंड आई) की टीम को मिला। तृतीय स्थान पर दीपक कुमार, वरिष्ठ प्रबंधक (प्रचालन), निलेश नयन, वरिष्ठ प्रबंधक (पी एंड एस), शिवम वर्मा, इंजीनियर (प्रचालन) और साजिद नेजाम, वरिष्ठ सहायक इंजीनियर (प्रचालन) की टीम रही। नोसेट 2026 में अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी और प्रस्तुत किए गए नवाचारपूर्ण विचारों ने एनटीपीसी विंध्याचल में सहयोग, रचनात्मक सोच और निरंतर सुधार की मजबूत संस्कृति को प्रदर्शित किया। इस प्रतियोगिता ने प्रतिभागियों को नए विचारों को व्यावहारिक समाधानों में परिवर्तित कर संगठनात्मक उत्कृष्टता में योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

तेलगुड़वा तिराहे पर कोयला लदा ट्रेलर पलटा,दो गंभीर घायल

सोनभद्र। चोपन थाना क्षेत्र के तेलगुड़वा तिराहे पर गुरुवार उपचार किया। अस्पताल के डॉक्टर के अनुसार, घायलों के वन-वे कर दिया। सड़क के एक तरफ वाहनों की लंबी कतारें

को कोयला लदा एक ट्रेलर पलट गया। यह हादसा रेणुकूट की ओर से आ रहे ट्रेलर के सवारी बस को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित होने के कारण हुआ। ट्रेलर डिवाइडर से टकराकर सड़क पर पलट गया, जिसमें चालक आसिफ हेसाब समेत दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के तुरंत बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों ने तत्काल घायलों को घरेलू साधनों और एंबुलेंस की मदद से चोपन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचाया। घायलों को दोपहर करीब एक बजे अस्पताल लाया गया था। सीएचसी में तैनात चिकित्सकों ने दोनों घायलों का प्राथमिक सिर और हाथ में चोटें आई थीं। प्राथमिक उपचार के बाद, बेहतर इलाज और आवश्यक जांच के लिए दोनों को जिला अस्पताल लोढ़ी रेफर कर दिया गया। ट्रेलर पलटने से उसमें लदा कोयला सड़क पर बिखर गया, जिससे वाराणसी-शक्तिनगर मुख्य मार्ग पर यातायात प्रभावित हुआ। हादसे की सूचना मिलते ही डायल-112 पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य के साथ यातायात व्यवस्था को नियंत्रित करने में जुट गई। सड़क पर ट्रेलर पलटने और कोयला बिखरने के कारण वाहनों की आवाजाही बाधित हुई। यातायात को सुचारु बनाए रखने के लिए पुलिस ने वाराणसी-शक्तिनगर मार्ग को लगने से जाम की स्थिति बनी रही। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से सड़क से कोयला हटाने और पलटे हुए ट्रेलर को हटाने का काम जारी है। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, ट्रेलर चालक ने सवारी बस को बचाने के प्रयास में वाहन पर नियंत्रण खो दिया था, जिसके बाद ट्रेलर डिवाइडर से टकराकर पलट गया। हादसे के बाद पुलिस ने वाहन चालकों से सावधानीपूर्वक वाहन चलाने की अपील की है। घायलों का जिला अस्पताल लोढ़ी में इलाज जारी है और मौके पर यातायात व्यवस्था सामान्य करने का कार्य प्रगति पर है।

कई मुकदमों में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार,बीजपुर पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़कर न्यायालय भेजा

सोनभद्र। सोनभद्र में बीजपुर पुलिस ने कई मुकदमों में वांछित

चल रहे एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी के तीन एंगल बरामद किए हैं। आरोपी को आवश्यक कार्रवाई के बाद न्यायालय भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, गुरुवार सुबह मुखबिर से सूचना मिली कि डोडहर निवासी उमेश कुमार डोडहर नकटू के कोडार मार्ग के पास मौजूद है। वह कई पुराने और हालिया मुकदमों में वांछित है। सूचना पर क्षेत्राधिकारी दुद्धी के निर्देशन में थानाध्यक्ष राजेश कुमार सिंह ने पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। पुलिस ने नकटू से कोडार जाने वाले मार्ग पर उमेश कुमार पुत्र रामलखन निवासी डोडहर को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से चोरी के तीन एंगल बरामद हुए। थानाध्यक्ष राजेश कुमार सिंह ने बताया कि गिरफ्तार उमेश कुमार का आपराधिक इतिहास है और वह पूर्व के कई मुकदमों में वांछित चल रहा था। कार्रवाई करने वाली टीम में उपनिरीक्षक सुरेंद्र सिंह, कांस्टेबल रोहित और कांस्टेबल सुंदरम शामिल रहे। आरोपी को संबंधित धाराओं में कार्रवाई के बाद न्यायालय भेज दिया गया।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
ALL TYPE PRINTING SOLUTION Enjoy Publicity

स्पोर्ट्स

सहवाग के बेटे आर्यवीर की अंडर-19 टीम इंडिया में एंट्री,भारत-ऑस्ट्रेलिया सीरीज के लिए चुने गए, द्रविड़ के बेटे अन्वय भी वनडे टीम में

स्पोर्ट्स डेस्क। पूर्व भारतीय ओपनर वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर को पहली बार भारत की अंडर-19 टीम में चुना गया है। उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज के लिए टीम में जगह मिली है। तीनों मुकाबले सितंबर में राजकोट में खेले जाएंगे। आर्यवीर दाएं हाथ के बल्लेबाज हैं और फिलहाल दिल्ली प्रीमियर लीग में वेस्ट दिल्ली लायंस की ओर से खेल रहे हैं। राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय को भी वनडे टीम में शामिल किया गया है। अन्वय विकेटकीपर-बल्लेबाज हैं। यानी, वनडे टीम में वीरेंद्र सहवाग और राहुल द्रविड़ के बेटे एक साथ नजर आएंगे। हालांकि, आर्यवीर और अन्वय दोनों को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले दो मल्टी-डे मैचों की टीम में जगह नहीं मिली है। डीपीएल में खेल रहे आर्यवीर- आर्यवीर सहवाग ने हाल ही में दिल्ली प्रीमियर लीग के 2026 सीजन में वेस्ट दिल्ली लायंस के लिए खेला है। वे इससे पहले 2024 में कूच बिहार ट्रॉफी में बड़ी पारी खेलकर चर्चा में आए थे। उन्होंने मेघालय के खिलाफ 297 रन बनाए थे। तीन वनडे राजकोट में होंगे- भारत और ऑस्ट्रेलिया की अंडर-19 टीमों के बीच तीन वनडे मैच खेले जाएंगे। तीनों मुकाबले राजकोट में होंगे। तीनों मुकाबले सुबह 9 बजे से शुरू होंगे। लक्ष्य कप्तान, यशवर्धन उपकप्तान- वनडे सीरीज के लिए लक्ष्य रायचंदानी को भारतीय टीम का कप्तान बनाया गया है। यशवर्धन चौहान उपकप्तान होंगे। वहीं मल्टी-डे मैचों के लिए दोनों की भूमिकाएं बदल जाएंगी। यशवर्धन कप्तान और लक्ष्य उपकप्तान होंगे। भारत को

वनडे सीरीज के बाद दो मल्टी-डे मैच भी खेलने हैं। पहला मुकाबला 27 से 30 सितंबर तक राजकोट में होगा। दूसरा मल्टी-डे मैच 5 से 8 अक्टूबर तक अहमदाबाद के बी ग्राउंड पर खेला जाएगा। अन्वय ने श्रीलंका में प्रभावित किया-अन्वय द्रविड़ ने जुलाई में श्रीलंका दौरे पर भारत की अंडर-19 टीम के लिए 87 रन की पारी खेली थी। उन्होंने इस प्रदर्शन की बदौलत वनडे टीम में अपनी जगह बरकरार रखी है। भारत की अंडर-19 वनडे टीम-लक्ष्य रायचंदानी (कप्तान), यशवर्धन चौहान (उप कप्तान), रजत बघेल, आर्यवीर सहवाग, वीके विनीत, कुशाग्र ओझा, अर्जुन राजपूत, मनाल चौहान, अन्वय द्रविड़, वी यशवीर, रोहित यादव, शाविन विनोद, मोहित उल्वा, चिगुरुपति वेंकट और काव्य पटेल। मल्टी-डे टीम में आर्यवीर-अन्वय नहीं-दो मल्टी-डे मैचों के लिए भारत टीमः यशवर्धन चौहान (कप्तान), लक्ष्य रायचंदानी (उप कप्तान), सागर विर्क, कुशाग्र ओझा, मनाल चौहान, कुश पटेल, मानव कृष्णा, अभिप्राय बिस्वास, रोहित यादव, ईशान ओम, अयान अकरम, प्रणव राघवेंद्र, प्रियांशु सिंह, मोहित उल्वा और आर्यन यादव शामिल हैं। भारतीय क्रिकेट में पिता के बाद बेटों की एंट्री के उदाहरण-भारतीय क्रिकेट में कई ऐसे परिवार रहे हैं, जहां पिता के बाद बेटे ने भी क्रिकेट को करियर बनाया। सुनील गावस्कर और रोहन गावस्करसुनील गावस्कर के बेटे रोहन गावस्कर ने भी भारतीय क्रिकेट में जगह बनाई। उन्होंने भारत के लिए 11 वनडे खेले। घरेलू क्रिकेट में उन्होंने बंगाल को रिप्रेजेंट

किया। लाला अमरनाथ और अमरनाथ परिवारभारत के पूर्व कप्तान लाला अमरनाथ के परिवार की भारतीय क्रिकेट में खास विरासत रही है। उनके तीनों बेटों– सुरिंदर, मोहिंदर और राजिंदर अमरनाथ ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट खेला। इनमें मोहिंदर अमरनाथ ने सबसे बड़ी सफलता हासिल की। वे 1983 में वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम के सदस्य थे। रोजर बिन्नी और स्टुअर्ट बिन्नी1983 वर्ल्ड कप विजेता टीम के सदस्य रोजर बिन्नी के बेटे स्टुअर्ट बिन्नी ने भी भारत के लिए क्रिकेट खेला। स्टुअर्ट ने टेस्ट, वनडे और टी-20 इंटरनेशनल तीनों फॉर्मेट में भारत का प्रतिनिधित्व किया। वनडे में उनके नाम भारत के लिए बेस्ट गेंदबाजी प्रदर्शन का रिकॉर्ड भी रहा, जब उन्होंने 2014 में बांग्लादेश के खिलाफ 6 विकेट पर 4 रन दिए थे। योगराज सिंह और युवराज सिंहपूर्व भारतीय क्रिकेटर योगराज सिंह के बेटे युवराज सिंह ने पिता से आगे बढ़कर भारतीय क्रिकेट में अपनी अलग पहचान बनाई। युवराज 2007 टी-20 वर्ल्ड कप और 2011 वनडे वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम के अहम सदस्य रहे। 2011 वर्ल्ड कप में उनके ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया। विजय मांजरेकर और संजय मांजरेकरपूर्व भारतीय टेस्ट बल्लेबाज विजय मांजरेकर के बेटे संजय मांजरेकर ने भी भारतीय क्रिकेट में अपनी पहचान बनाई। विजय ने 1952 से 1965 के बीच भारत के लिए 55 टेस्ट खेले और 3,208 रन बनाए, जिसमें 7 शतक शामिल थे। संजय ने पिता की राह पर चलते हुए 1987 से 1996 के बीच भारत के लिए 37 टेस्ट और 74 वनडे खेले।

भारत के न्यूजीलैंड दौरे के टिकटों की रिकॉर्ड बिक्री,पहले 48 घंटे में 26 हजार टिकट बिके

वेलिंगटन। भारत के न्यूजीलैंड दौरे के लिए पहले 48 घंटे में 26 हजार टिकट बिक गए हैं। यह न्यूजीलैंड क्रिकेट की प्री-सेल में

रिकॉर्ड मांग है। यह दौरा 22 अक्टूबर से शुरू होगा और 1 दिसंबर तक चलेगा। दोनों टीमों के बीच 5 टी-20, 5 वनडे और 2 टेस्ट खेले जाएंगे। भारतीय टीम 2019-20 के बाद पहली बार न्यूजीलैंड में टेस्ट सीरीज खेलेगी। न्यूजीलैंड क्रिकेट के अनुसार, ऑकलैंड के ईडन पार्क में होने वाले व्हाइट-बॉल मुकाबलों के टिकट सबसे तेजी से बिक रहे हैं। यहां सीरीज का चौथा टी-20 और पहला वनडे खेला जाएगा। क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में भी टिकटों की भारी मांग है। करीब 9 हजार दर्शकों की क्षमता वाले इस मैदान पर भारत और न्यूजीलैंड के बीच शुरुआती दो टी-20 मैच 22 और 24 अक्टूबर को खेले जाएंगे। इसी मैदान पर दौरे का दूसरा और आखिरी टेस्ट भी खेला जाएगा। यह मुकाबला 27 नवंबर से 1 दिसंबर तक होगा और इसके टिकटों की बिक्री भी तेजी से हो रही है। वेलिंगटन में भी टिकटों की मजबूत मांग-वेलिंगटन में होने वाले मुकाबलों के लिए भी शुरुआती बिक्री मजबूत रही है। हेनरी स्टेडियम में सीरीज का तीसरा टी-20 और दूसरा वनडे खेला जाएगा। वहीं, पहला टेस्ट सेलो बेसिन रिजर्व में 19 नवंबर से शुरू होगा। एनजेडसी बोला- भारत को खेलते देखना दुर्लभ मौका-न्यूजीलैंड क्रिकेट के चीफ मार्केटिंग एंड कमर्शियल ऑफिसर ग्लेन क्रिचली ने कहा कि फैंस ने टिकट जल्दी खरीदने की अपील पर अच्छी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि पहले दो दिनों में रिकॉर्ड बिक्री से पता चलता है कि बड़ी संख्या में फैंस ने समय रहते अपनी सीट बुक कर ली है। क्रिचली ने कहा कि न्यूजीलैंड के फैंस के लिए भारत के खिलाफ क्रिकेट मैच का माहौल देखने और दुनिया के बड़े क्रिकेट सितारों को लाइव देखने का यह खास मौका है।

पिछले सीजन जितनी ही रखी टिकटों की कीमत-एनज़ेडसी ने इस सीजन टिकटों की कीमत में बढ़ोतरी नहीं की है। बोर्ड के मुताबिक, क्रिकेट नेशन एक्सेस कोड का इस्तेमाल करने पर टिकट 30 न्यूजीलैंड डॉलर से कम में मिल रहा है। फैंस के लिए 'द फोर' और 'द सिक्स' ग्रुप टिकट पैकेज के साथ-साथ अलग-अलग वेन्यू के टिकट बंडल भी उपलब्ध हैं।

क्या पिता के रसूख ने दिलाई टीम में जगह,क्रिकेटर देव चौधरी को किया जा रहा ट्रोल,आरोप- बैट पकड़ना भी नहीं आता

नई दिल्ली। दिल्ली प्रीमियर लीग का मौजूदा सीजन देव चौधरी नाम के एक खिलाड़ी

की वजह से विवादों में आ गया है। आरोप लग रहे हैं कि देव अपनी क्रिकेटिंग स्किल की वजह से नहीं बल्कि पिता के रसूख और सिफारिश के कारण खेल रहे हैं। देव न्यू दिल्ली टाइगर्स टीम की ओर से खेल रहे हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि वे टीम के मालिक के दोस्त के बेटे हैं। देव के पिता का नाम अभी सामने नहीं आया है। टीम के मालिक अजय कुमार हैं।देव चौधरी के खेलने के तरीके पर सवाल उठे- देव ने न्यू दिल्ली टाइगर्स के लिए ओपनर के तौर पर 2 मैच खेले। एक मैच में वे खाता नहीं खोल सके और दूसरे में 16 रन ही बना सके। खराब प्रदर्शन से ज्यादा चर्चा उनके बैट पकड़ने के तरीके पर हुई।सोशल मीड़िया पर उनके स्टांस की काफी आलोचना हुई है। देव चौधरी विवाद के बाद डीडीसीए सचिव अशोक शर्मा ने कहा- 'टूर्नामेंट समाप्त होने के बाद नियम की समीक्षा की जाएगी।' मौजदा नियम के अनुसार सभी फ्रेंचाइजी नीलामी के बाद तीन और खिलाड़ियों को स्क्वॉड शामिल कर सकती हैं। बशर्ते उन खिलाड़ियों ने दिल्ली जिला लीग में कम से कम पांच मैचों में हिस्सा लिया हो।देव ने डीडीसीए लीग में स्पोर्टिंग क्लब की ओर से 2 मैच खेले थे।

गर्लफ्रेंड अपनी जरूरतें सीधे नहीं बताती-इनडायरेक्ट ताने देती है, मैं इमोशनल स्ट्रेस में हूं, क्या करूं?

नोएडा। समझेंगे विषय को एक्सपर्टः डॉ. जया सुकुल, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, नोएडा जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- मैं एक सरकारी बैंक में कैशियर हूं। कुछ महीनों से एक लड़की के

साथ रिलेशनशिप में हूं। हमारे बीच सब अच्छा है, लेकिन वो अपनी जरूरतें सीधे बोलने की बजाय इशारों में कहती है। जैसे- 'मेरे पास बाहर जाने के लिए अच्छे कपड़े नहीं हैं।' 'उस लड़की की वॉच कितनी अच्छी है।' 'उस लड़की का बैग कितना प्यारा लग रहा है।' कई बार वो अपने फाइनेंशियल या पर्सनल स्ट्रेस भी ऐसे ही बताती है, ताकि मैं खुद मदद की पेशकश करूं। शुरू में मैंने किया भी, लेकिन अब मैं मेंटली थक गया हूं। क्या वह जानबूझकर ऐसा करती है ताकि मैं गिल्ट महसूस करूं? क्या ये इमोशनल इंफ्लुएंस है? मुझे क्या करना चाहिए? जवाब- सबसे पहले तो शुक्रिया कि आपने इतने स्पष्ट शब्दों में सवाल पूछा। इसी तरह हेल्दी रिलेशनशिप के लिए भी स्पष्ट संवाद जरूरी है। आपने लिखा कि आपकी पार्टनर हर बात इशारों में कहती है। ऐसी स्थिति में थकान महसूस होना स्वाभाविक है। चलिए आपकी सिचुएशन को समझते हैं और प्रैक्टिकल सॉल्यूशन पर बात करते हैं। पार्टनर बता रहा है या पहेली बुझा रहा है? रिलेशनशिप में अपनी बात रखना हर किसी का हक है, लेकिन उसे कहने का तरीका स्पष्ट होना चाहिए। बार-बार बातों को घुमाना और खुद को 'बेचारा' दिखाना इमोशनल मैनिपुलेशन है। यह स्थिति धीरे-धीरे रिश्ते की सहजता को खत्म कर सकती है। 'मैनिपुलेशन' और 'हेल्दी कम्युनिकेशन' में क्या फर्क है- पहले 'मैनिपुलेशन'- काश! मेरे पास भी उसके जैसा बैग होता। सब घूमते हैं, मेरी ही किस्मत खराब है। मेरे पास गर्मियों के अच्छे कपड़े ही नहीं हैं। सिर फट रहा है, कोई पूछने वाला नहीं। कोई मदद नहीं करता, मैं अकेले खटती हूं। अब हेल्दी कम्युनिकेशन- मुझे नए बैग की जरूरत है। इस वीकेंड बाहर

चलना चाहिए। मुझे गर्मियों के नए कपड़े लेने हैं। मेरे सिर में दर्द है, मेरे पास बैठो। मैं खाना बना रही हूं, तुम बर्तन धो दो। मैनिपुलेशन की साइकोलॉजी- अगर किसी रिलेशनशिप में एक पार्टनर हर बार इशारों में बात कहता है, तो दूसरा 'डिकोडिंग मोड' में चला जाता है। इसे 'डिसीजन फटीग' भी कहते हैं, जहां व्यक्ति हर वक्त यह सोचकर तनाव में रहता है कि सामने वाले की किस बात का क्या मतलब है। आपने लिखा कि आपकी गर्लफ्रेंड अपनी डिमांड्स इसी तरह रखती है। इसके बावजूद अगर आप सभी डिमांड्स पूरी कर रहे हैं तो आपको सेल्फ-एसेसमेंट करना चाहिए। कहीं आप 'गिल्ट ट्रिप' के शिकार तो नहीं, अपना सेल्फ-एसेसमेंट करें-रिश्तों में कभी-कभी हम वह सब भी करने लगते हैं, जो नहीं करना चाहते। इसकी वजह 'गिल्ट' हो सकती है। नीचे दिए एसेसमेंट टेस्ट से समझिए कि कहीं आप 'गिल्ट ट्रिप' में तो नहीं जा रहे हैं। कैसे करें? नीचे 7 सवाल दिए गए हैं। हर सवाल को ध्यान से पढ़ें और अपनी स्थिति के अनुसार खुद को 0 से 3 के बीच नंबर दें- 0ः बिल्कुल नहीं, 1ः कभी-कभार, 2ः अक्सर, 3ः हमेशा/हर बार, मैं बिना गलती अपराधबोध फील करता हूं। मुझे लगता है कि उसकी डिमांड पूरी करनी चाहिए। मुझे लगता है कि डिमांड पूरी करना मेरी ड्यूटी है। लेकिन करने के बाद मुझे अच्छा फील नहीं होता। मैं खुद को ठगा हुआ सा महसूस करता हूं। मैं सिर्फ उसे खुश करने के लिए ऐसा करता हूं। मुझे डर है कि डिमांड्स पूरी न हुईं तो वो नाराज होगी। फिर स्कोर एनालिसिस करें- सभी सवालों के नंबरों को जोड़ लें और अपना टोटल स्कोर देखें। अगर स्कोर 15 से ऊपर है, तो यह 'क्रॉनिक गिल्ट ट्रिप' का संकेत है।

इसका मतलब है कि आपको अपनी बाउंड्रीज तय करने और खुद पर काम करने की सख्त जरूरत है। अगर स्कोर 6-14 के बीच है तो सतर्क हो जाएं और सुधार करें। अगर स्कोर 1-5 के बीच है तो कोई समस्या नहीं है। आपने लिखा कि वह अपनी पर्सनल बातें शेयर करते समय भी यही तरीका फॉलो करती है। साइकोलॉजी के मुताबिक, कुछ लोग ऐसा इसलिए करते हैं, ताकि 'ना' की गुंजाइश खत्म हो जाए।

उन्हें लगता है कि चीजें सीधे मांगने पर मना किया जा सकता है।

इसलिए वे अपनी बात कहने के लिए इशारों का सहारा लेते हैं। लेकिन किसी भी रिश्ते में यह तरीका हेल्दी नहीं है। पहेलियां सिर्फ रोमांस में अच्छी लगती हैं। सामान्य चीजों के लिए रोज 'माइंड रीडिंग' करना थकाऊ हो सकता है। स्वस्थ रिश्ता वो है, जहां दोनों पार्टनर खुलकर साफ बात करते हैं। इच्छा और नाराजगी दोनों ईमानदारी से जाहिर करते हैं। कभी-कभी लोग अनजाने में भी इस तरह बिहेव करते हैं। ऐसा हो सकता है कि उन्होंने बचपन से इसी तरह अपनी बातें मनवाई हों। इसे 'लर्न्ड बिहेवियर' कहते हैं। लेकिन एडल्ट रिलेशनशिप में यह तरीका 'टॉक्सिक' है। आपको भी यह समझना होगा कि हेल्दी और टॉक्सिक बिहेवियर में क्या फर्क है-समझदार आदमी को क्या करना चाहिए? नीचे दिए 6 पॉइंट्स से समझें कि इस सिचुशन में क्या करना चाहिए- बाउंड्री सेट करेंः अपनी आर्थिक और मानसिक सीमाओं को स्पष्ट करें।

बताएं कि आप क्या कर सकते हैं और क्या आपकी क्षमता से बाहर है। खुलकर बातचीत करेंः जब वह इशारों में बात करे तो बहुत ही सौम्यता से कहें, 'मैं समझ नहीं पा रहा कि तुम क्या कहना चाह रही हो, क्या तुम खुलकर बताओगी?' पार्टनर को अपनी बात सीधे कहने के लिए प्रोत्साहित करें।

पैसे का दिखावा न करेंः रिश्ते में गिफ्ट्स से ज्यादा अहमियत समय और इमोशनल सपोर्ट को दें।

शर्मिंदगी महसूस न करेंः अगर आप कोई डिमांड पूरी नहीं कर पाते तो उसे अपनी असफलता न मानें। गर्लफ्रेंड को 'क्राउन' न समझेंः उसे अपना पार्टनर मानें।

एक साथी अपनी जरूरतों के लिए दूसरे पर दबाव नहीं डालता, बल्कि मिलकर समाधान निकालता है।

शोशेबाजी न करेंः बाहरी चमक-धमक की बजाय रिश्ते की गहराई और सच्चाई पर ध्यान दें।

अंतिम सलाह-कोई रिश्ता 'माइंड रीडिंग' से नहीं, बल्कि 'स्पष्ट संवाद' से सुंदर बनता है। अगर पार्टनर की बातें पहेली बन जाएं, तो उन्हें सुलझाने की बजाय खुलकर बात करें। विनम्रता से अपनी बाउंड्रीज बताएं और खुद को भी अनावश्यक गिल्ट से मुक्त रखें।

धूप में घर से बाहर निकलते समय जरूर पहनें सनग्लासेस, आंखों को नहीं होगा नुकसान,यूवी किरणों से आंखों को हैं बहुत नुकसान, खरीदते समय ये जरूरी बातें ध्यान रखें

नयी दिल्ली। गर्मियों में घर से बाहर निकलना चैलेंजिंग होता है। लेकिन रोजमर्रा के काम से बाहर निकलना मजबूरी है। तेज धूप में नहीं होता है। ये सिर्फ रोशनी कम करते हैं, जिससे आई बॉल(पुतली) फैल जाती है और हानिकारक यूवी किरणें आंखों में प्रवेश कर सकती

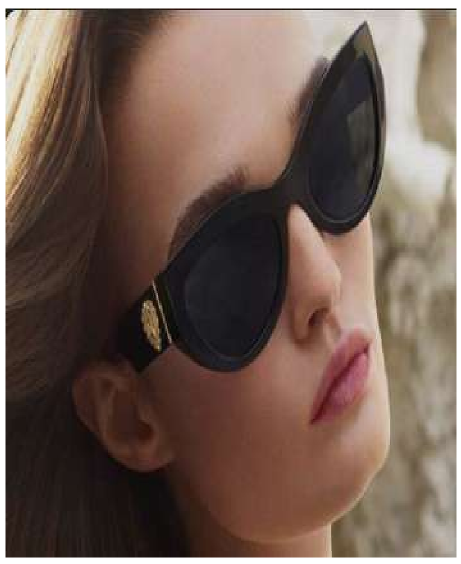

बाहर निकलते समय आंखों की सुरक्षा बहुत जरूरी है। अल्ट्रावायलेट (यूवी) किरणें आंखों को नुकसान पहुंचा सकती हैं। इससे जलन, धुंधलापन और लॉन्ग टर्म में आंखों से जुड़ी बीमारियों का रिस्क होता है। ऐसे में सनग्लासेस आंखों की सुरक्षा के लिए जरूरी हैं। सही सनग्लासेस धूप, धूल और हानिकारक यूवी किरणों से बचाते हैं। इसलिए आज 'जरूरत की खबर' में जानेंगे कि गर्मियों में सनग्लासेस पहनना क्यों जरूरी है और इसे खरीदते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। विषय को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. श्रेया गुप्ता, कंसल्टेंट, ऑप्थेल्मोलॉजी, श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- क्या गर्मियों में सनग्लासेस पहनना जरूरी है? जवाब- हां, यह आंखों को हानिकारक यूवी किरणों, तेज रोशनी और धूल से बचाता है। इससे जलन, ड्राईनेस और अन्य समस्याओं का रिस्क कम होता है। सवाल- अल्ट्रावायलेट किरणों का आंखों पर क्या असर पड़ता है? जवाब- सूर्य की रोशनी से निकलने वाली अल्ट्रावायलेट किरणें आंखों के बाहरी और अंदरूनी हिस्सों को नुकसान पहुंचा सकती हैं।आंखों हैं। इससे आंखों को डैमेज का रिस्क बढ़ जाता है। सवाल- किस तरह के सनग्लासेस गर्मियों के लिए सबसे बेहतर होते हैं? जवाब- 'यूवी400' या '100फीसदी यूवी प्रोटेक्शन' वाले सनग्लासेस सबसे अच्छे होते हैं। ये आंखों को हानिकारक किरणों से बचाते हैं। धूप की चकाचौंध कम करने के लिए पोलराइज्ड लेंस बेहतर हैं। बेहतर विजन के लिए ग्रे, ब्राउन या हरे रंग के लेंस चुन सकते हैं।आंखों के पूरे कवरेज के लिए बड़े फ्रेम या रैपअराउंड स्टाइल बेहतर है। सवाल- सनग्लासेस आंखों को किन समस्याओं से बचाते हैं? जवाब- सनग्लासेस यूवी किरणों, तेज रोशनी और धूल से बचाकर कई समस्याओं से सुरक्षा देते हैं। सनग्लासेस खरीदते समय सिर्फ स्टाइल नहीं, बल्कि क्वालिटी और प्रोटेक्शन को प्राथमिकता देना चाहिए। इससे आंखों को सही सेफ्टी मिलती है। इसलिए सनग्लासेस खरीदते समय कुछ बातों का खास ख्याल रखें। सवाल- क्या लंबे समय तक सनग्लासेस पहनने से आंखों पर कोई बुरा असर पड़ता है?जवाब- नहीं, सही क्वालिटी के सनग्लासेस से आंखों पर कोई बुरा असर नहीं पड़ता है। ये आंखों को यूवी किरणों,

में जलन पानी आना, दर्द, धुंदला दिखना, रेटिना ख़राब होना, ड्राईनेस, मोतियाबिंद सवाल- क्या सनग्लासेस अल्ट्रावायलेट किरणों से बचाते हैं? जवाब- हां, सही क्वालिटी के सनग्लासेस यूवी किरणों से बचाते हैं। खासतौर पर 'यूवी400' प्रोटेक्शन वाले सनग्लासेस आंखों को हानिकारक अल्ट्रावायलेट किरणों से सुरक्षित रखते हैं।सवाल- क्या सिर्फ तेज धूप में ही सनग्लासेस लगाना जरूरी है या हल्की धूप में भी लगाना चाहिए? जवाब- सनग्लासेस हल्की धूप में भी पहनना चाहिए। यूवी किरणें बादलों या हल्की धूप में भी मौजूद रहती हैं।इसलिए बाहर निकलते समय सनग्लासेस लगाना बेहतर है। सवाल- तेज धूप में बिना सनग्लासेस बाहर निकलने से क्या नुकसान हो सकता है? जवाब- सनग्लासेस न पहनने से आंखें सीधे यूवी किरणों और तेज रोशनी के संपर्क में आती हैं। इससे आंखों को कई नुकसान हो सकते हैं।जैसेकि-तेज जलन और रेडनेस। पानी आना और ड्राईनेस। सिरदर्द और आंखों में थकान। नजर में धुंधलापन। लंबे समय में कॉर्निया को नुकसान।मोतियाबिंद का खतरा। धीरे-धीरे नजर में कमजोरी। लंबे समय में रेटिना डैमेज का रिस्क।सवाल- क्या सस्ते या लोकल सनग्लासेस नुकसानदायक हो सकते हैं? जवाब- हां, इनमें यूवी प्रोटेक्शन धूल और तेज रोशनी से बचाकर सुरक्षा देते हैं। हालांकि खराब क्वालिटी या बिना यूवी प्रोटेक्शन वाले सनग्लासेस आंखों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। सनग्लासेस से जुड़े कुछ कॉमन सवाल और जवाब- सवाल- बादल होने पर भी यूवी किरणों का खतरा रहता है? जवाब- हां, बादलों के बावजूद यूवी किरणें जमीन तक पहुंचती हैं, इसलिए हमेशा आंखों की सुरक्षा जरूरी है।सवाल- क्या सुबह-शाम की धूप में भी यूवी किरणों का खतरा रहता है? जवाब- हां, सुबह-शाम यूवी तीव्रता कम होती है, लेकिन जोखिम पूरी तरह खत्म नहीं होता है।सवाल- क्या हरेक सनग्लास यूवी किरणों से प्रोटेक्ट करता है? जवाब- नहीं, केवल यूवी400 या 100फीसदी यूवी प्रोटेक्शन वाले सनग्लासेस ही सही सुरक्षा देते हैं। सवाल- क्या सनग्लासेस आंखों को ड्राईनेस और इरिटेशन से बचाते हैं? जवाब- हां, ये धूल, हवा और तेज रोशनी से बचाकर ड्राईनेस और जलन कम करते हैं।सवाल- क्या सनग्लासेस पहनने से आंखों की थकान कम होती है? जवाब- हां, ये तेज रोशनी की चुभन कम करते हैं, जिससे आंखों पर तनाव घटता है। सवाल- क्या कॉन्टैक्ट लेंस पहनने वालों को भी सनग्लासेस लगाने चाहिए? जवाब- हां, कॉन्टैक्ट लेंस पूरी तरह अल्ट्रावायलेट किरणों से सुरक्षा नहीं देते, इसलिए उन्हें भी सनग्लासेस लगाने चाहिए।

जीवन-गुणवत्ता बेहतर करने के लिए रोजमर्रा के इनोवेशन जरूरी हैं

हममें से कोई भी इस बात से इनकार नहीं कर सकता कि आज भी हमारे देश में खाने की मिलावट एक गंभीर समस्या है। वरना पूरे भारत में लोग महाराष्ट्र के फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) कमिश्नर तुकाराम मुंढे की चर्चा नहीं कर रहे होते, जिन्होंने फिर देश का ध्यान अपनी ओर खींचा है। असल जिंदगी के सिंघम कहे जाने वाले मुंढे ने अपनी दो दशक की सेवा में 25 तबादले झेले हैं। उन्होंने मई 2026 में एफडीए में कामकाज संभाला और जल्द ही पूरे राज्य में खान-पान की जगहों और खाद्य निर्माताओं के यहां हाई-प्रोफाइल छापेमारी कर अपनी मौजूदगी का अहसास करा दिया। उनका फोकस साफ था- मिलावटी खाना और अस्वच्छ तरीकों का पर्दाफाश करना। उनकी कार्रवाई ने कई बड़े क्लबों को अपने ड्रॉइंग रूम में लौटकर फूड-हाइजीन से जुड़े तौर-तरीकों को रिव्यू करने और उन्हें बेहतर बनाने को मजबूर कर दिया। मेरे लिए मिलावट एक और अवसर पेश करती है। कल्पना कीजिए, यदि कोई 500-1000 रुपए तक का फूड-टेस्टिंग डिवाइस बना दे। स्मार्टफोन से जुड़ा एक छोटा-सा रीडर, जो डिस्पोजेबल स्ट्रिप्स या सेंसर की मदद से खाने की कुछ चुनिंदा खासियतों की जांच कर सके और सिर्फ इतना बताए कि 'संभावित मिलावट का पता चला, लैब कन्फर्मेशन जरूरी है।' यह भविष्य का कदम हो सकता है। यहां 'संभावित' शब्द अहम है। ऐसा डिवाइस स्क्रीनिंग टूल होना चाहिए, न कि गलत तरीके से खुद को ही लैब बताए। इसी तकनीक का इस्तेमाल स्कूल, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन, फूड मार्केट और नगर निकाय भी कर

सकते हैं। मैं आज रोजमर्रा के इनोवेशन की बात इसलिए कर रहा हूं, क्योंकि इसी हफ्ते मुझे पता चला कि लखनऊ के मेदांता हॉस्पिटल में इमरजेंसी मेडिसिन एंड ट्रॉमा केयर के डायरेक्टर डॉ. लोकेन्द्र गुप्ता के नेतृत्व वाली इमरजेंसी फिजिशियनों की टीम को पेटेंट ऑफिस से एक इंटीग्रेटेड इमरजेंसी ट्रांसपोर्ट स्ट्रेचर के लिए डिजाइन रजिस्ट्रेशन मिला है। इस स्ट्रेचर का उद्देश्य गंभीर मरीजों को अस्पताल में एक से दूसरी जगह ले जाते समय उनकी देखभाल को बेहतर बनाना है। इस इनोवेशन की शुरुआत किसी लैब में नहीं, बल्कि डॉक्टरों द्वारा देखी गई एक समस्या से हुई- क्या होगा यदि किसी मरीज को ले जाते वक्त सीपीआर की जरूरत पड़ जाए? इसी फेल्योर पॉइंट को ध्यान में रख कर टीम ने डिजाइन तैयार किया। इस स्ट्रेचर को छह मोड में कॉन्फिगर किया जा सकता है, जिसमें आईसीयू, इमरजेंसी/सीपीआर, रेडियोलॉजी, सर्जिकल प्रोसिजर, चेयर और ट्रांसपोर्ट मोड शामिल हैं। इसमें एक्सपेंडेबल सीपीआर प्लेटफॉर्म, इंटीग्रेटेड पेशेंट मॉनिटरिंग सिस्टम, ऑक्सीजन और सक्शन एक्सेस, इमरजेंसी स्टोरेज, सेफ्टी हार्नेस, रेडियोलुसेंट इमेजिंग कैपेबिलिटी, चार यूटिलिटी पोर्ट्स, हाइट एडजस्टमेंट और बैटरी बैकअप जैसी सुविधाएं हैं। टीम के मुताबिक, इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि गंभीर मरीजों को अस्पताल में इधर-उधर ले जाते वक्त भी इमरजेंसी और क्रिटिकल केयर की सुविधाएं निर्बाध रूप से मिलती रहें। इस इनोवेशन को देखभाल में रुकावट के बजाय इलाज की निरंतरता के तौर पर देखा जाना चाहिए। डिजाइन रजिस्ट्रेशन के बाद अब टीम संभावित क्लिनिकल यूज के लिए इंजीनियरिंग डेवलपमेंट, टेस्टिंग और प्रमाणीकरण की योजना बना रही है। इसलिए फूड सेफ्टी समस्या का आधा ही हिस्सा है, दूसरा हिस्सा खाद्य पदार्थों की खराबी है। आईसीएआर का अनुमान है कि भारत में फसल कटाई के बाद लगभग 6-18फीसदी तक खराबी होती है। जबकि देश में सालाना 315 मिलियन टन से ज्यादा फल-सब्जी पैदा होती है। इसका मतलब है कि इनोवेशन की जरूरत सिर्फ पैदावार में ही नहीं, बल्कि खाने के खेत से प्लेट तक पहुंचने के बीच भी है। एक आइडिया इंटेलिजेंट प्रोड्यूस क्रेट का है। साधारण क्रेट की जगह ऐसा क्रेट, जिसमें लगे किफायती सेंसर तापमान, नमी, कंपन, ट्रांजिट की अवधि और चुनिंदा पैदावार के लिए एथिलीन स्तर की निगरानी करें।

आखिर में ऐसी चेतावनी दे सकें कि 'टमाटर जल्दी खराब होने वाला है।'टेक्नोलॉजी स्टूडेंट्स के पास ऐसे व्यावहारिक अविष्कार करने का बड़ा अवसर है, जो मौतों को रोकें, जीवन गुणवत्ता बनाए रखें, खाना सुरक्षित रखें और हर उम्र के लोगों के लिए रोजमर्रा की व्यवस्थाओं को सुरक्षित बनाएं। उनके इनोवेशन का मकसद हमेशा सुरक्षा ही नहीं होना चाहिए।यह किसी बुजुर्ग या दिव्यांग व्यक्ति की गरिमा, किसी का समय या पैसा और सबसे बढ़कर सुविधा जैसा क्षेत्र हो सकता है।

फंडा यह है कि हमारे देश की आबादी की रोजमर्रा की जिंदगी को देखते हुए ऐसे आसान तरीके विकसित करने में इनोवेशन की बहुत गुंजाइश है, जो हमारे आसपास खुशहाल समाज बना सकें। एन. रघुरामन

धरोहरों की सुरक्षा जरूरी, बशर्ते उसके उपाय सही हों

भारत का विरासतों के संरक्षण का फ्रेमवर्क बहुत भारी-भरकम, रूखा और प्रतिकूल असर डालने वाला है। यह न तो

अतीत को संरक्षित कर पा रहा है, न देश के भविष्य को आगे बढ़ने दे रहा है। इसका कारण 1958 का 'प्राचीन स्मारक एवं पुरातात्विक स्थल व अवशेष अधिनियम' है। यह कानून देश के लगभग 3700 संरक्षित स्मारकों पर एक ही जैसे नियम लागू करता है- यह कि हर स्मारक के चारों ओर 100 मीटर का प्रतिबंधित क्षेत्र हो, जहां कोई निर्माण नहीं हो सकता और 200 मीटर का और नियंत्रित क्षेत्र हो, जहां विकास कार्यों पर कड़ा नियंत्रण होता है। बेहद सख्त लगने वाला यह फ्रेमवर्क असल में प्रभावहीन है। यह तमाम स्मारकों को एक जैसे नियमों में बांधता है, जबकि संरक्षण के लिहाज से बहुत कम फायदेमंद है। इसकी आर्थिक-सामाजिक लागत भी बहुत अधिक है। भारत में संरक्षित स्थलों की सूची असामान्य तरीके से विविधता भरी है। इनमें वैश्विक महत्व के स्थलों से लेकर छोटे-मोटे अवशेष तक हैं। कुछ तो औपनिवेशिक काल से चली आ रहीं कब्रें और कब्रस्तान हैं।सौ से ज्यादा तो 'कोस मीनारें' हैं, जो दूरी मापने के चिह्न थे। कुछ 'संरक्षित स्थल' असल में चलायमान वस्तुएं हैं, जबकि कुछ कागजों पर हैं। पर सभी पर वही 300 मीटर वाला प्रतिबंध लागू होता है। यह तरीका यदि सच में संरक्षण को बेहतर करता तो इसकी हिमायत की जा सकती थी। लेकिन व्यावहारिकता में यह बिल्कुल उलट है।एक समान प्रतिबंध स्मारकों के आसपास से गतिविधियां खत्म नहीं करता, बल्कि उन्हें अवैध बना देता है। कई स्मारकों के समीप ऐसे निर्माण याद ?कीजिए, जिनका ढांचा स्मारकों की दीवार तक पहुंच जाता है। यही अतिक्रमण किसी भी नियंत्रित विकास से ज्यादा नुकसान स्मारकों को पहुंचाता है।इधर, औपचारिक विकास पर रोक के कारण आसपास कोई सार्थक आर्थिक गतिविधि भी नहीं पनप पाती। इससे वो राजस्व स्रोत भी खत्म होते हैं, जो असल में इन विरासतों को बनाए रखते हैं। मसलन, कैफे, छोटे व्यापार, सांस्कृतिक आयोजन। नतीजतन, स्मारकों का उचित रखरखाव नहीं हो पाता और वे धीरे-धीरे खराब होते जाते हैं। पर्यटन के लिए भी यह उतना ही नुकसानदायक है।

आप स्मारकों पर ऐसे नियम थोप दो तो फिर हैरिटेज टूरिज्म अलग से नहीं पनप सकता। पर्यटकों के लिए आधारभूत ढांचा और बुनियादी सुविधाएं जरूरी होती हैं। लेकिन देश में बहुत से स्मारकों में यह नदारद हैं। प्रतिबंधों के कारण वहां सम्पर्क-सड़क, पार्किंग, सेनिटेशन, लाइटें और जन-सुविधाएं तक बनाना कठिन होता है। इसीलिए कई स्थलों पर तो पहुंचना ही दूभर है।इसके विपरीत, रोम के कोलोजियम, पेरिस के एफिल टावर और लंदन के ऐतिहासिक स्थलों को प्रतिबंधों के बजाय डिजाइन कंट्रोल, इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ सामंजस्य, व्यापारिक गतिविधियों और सार्वजनिक स्थानों के जरिए घने शहरी माहौल से जोड़ा गया है। इसलिए अकेले एफिल टावर पर आने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या भारत के सभी संरक्षित स्मारकों की मिली-जुली संख्या से चार गुना अधिक है।यह नियम रोजमर्रा के जीवन की गुणवत्ता और गरिमा को भी प्रभावित करता है। शहरों में पूरे के पूरे इलाके इन नियमों में फंसे हुए हैं। महज मरम्मत की अनुमति में पांच साल तक लग जाते हैं। पुणे के शनिवारवाड़ा के आसपास रहने वाले लोगों का कहना है कि प्रतिबंध के चलते वे जर्जर घरों में रहने को मजबूर हैं। मेट्रो कॉरिडोर, अस्पतालों का विस्तार और अन्य शहरी ढांचा विकास योजनाएं भी नियमों में उलझकर वर्षों तक अटकी रहती हैं। आगरा में मंजूरियां नहीं मिलने से स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट में बुनियादी सुविधाओं के काम अटक गए। कर्नाटक में मदिकेरी किले के प्रतिबंधित क्षेत्र में आने के कारण जिला अस्पताल में क्रिटिकल केयर सुविधा का काम अटक गया। दिल्ली और कोलकाता मेट्रो के कार्यों में भी ऐसी ही बाधाएं आईं। इससे लागत बढ़ती है, जनता को सेवा समय पर नहीं मिलती और आर्थिक अवसर खो जाते हैं। इसका सबसे बड़ा असर उस विशाल जमीन के तौर पर दिखता है, जो इस व्यवस्था में लॉक हो चुकी है। भारतीय शहरों में अनुमानतः करीब 20 लाख करोड़ रुपए की जमीन इन प्रतिबंधित क्षेत्रों में अटकी हुई है। अकेली दिल्ली में करीब 8.7 लाख करोड़ रुपए की करीब 16 हजार एकड़ जमीन इन नियमों में फंसी है।बेहद महंगी और कम शहरी जमीन वाले देश में यह व्यवस्था आपूर्ति को बाधित करती है, कीमतें बढ़ाती है और अंततः विकास को रोकती है। विरासत-संरक्षण का हमारा यह मौजूदा तरीका इस गलत अनुमान पर आधारित है कि सिर्फ दूरी से ही सुरक्षा सुनिश्चित हो सकती है।भारत के संरक्षित स्थलों में वैश्विक महत्व के स्थलों से लेकर छोटे-मोटे अवशेष तक हैं। अनेक कब्रें हैं। सौ से ज्यादा 'कोस मीनारें' हैं। कुछ 'संरक्षित स्थल' असल में चलायमान वस्तुएं हैं, जबकि कुछ कागजों पर हैं। पर सभी पर 300 मीटर वाला प्रतिबंध लागू होता है।(ये लेखक के अपने विचार हैं,अमिताभ कांत)

हमारी दुनिया बिना शिक्षकों वाले स्कूलों के युग में प्रवेश कर रही है

परंपरागत शिक्षकों के बिना चलने वाले स्कूलों का दौर अब आ चुका है। मैसाचुसेट्स के बोस्टन स्थित अल्फा स्कूल में आपका स्वागत है, जो इसी अकादमिक सत्र से खुलने जा रहा है। 'अल्फा' नाम जानबूझकर चुना गया है, ताकि यह स्कूल के मुख्य छात्रवर्ग ?को दर्शा सके, जो 2010 से 2024 के बीच जन्मी जनरेशन यानी अल्फा का हिस्सा हैं।पहली बार स्कूली व्यवस्था में दाखिल हो रहे ये बच्चे इतिहास की डिजिटल तौर पर सबसे दक्ष पीढ़ी माने जाते हैं। इनके बाद आएगी 'जनरेशन-बीटा' (2025-2039 के बीच जन्मे), जिनके बारे में माना जाता है कि वे ऐसी दुनिया में रहेंगे, जहां एआई रोजमर्रा के हर काम का अभिन्न हिस्सा होगा।अगर सोच रहे हैं कि ऐसे स्कूल में सामान्य दिन कैसा होता है, तो आप पेंसिल छीलने, रबर खोने या शिक्षक की बात सुनने की चिंता छोड़ सकते हैं। स्कूल में हर छात्र के पास एक लैपटॉप है, जिसमें एक समर्पित एआई ट्यूटर होता है। पढ़ाई हर छात्र की अपनी गति और स्तर के अनुसार होती है, जहां पारंपरिक शिक्षक की जगह 'गाइड्स' होते हैं। ये गाइड्स निर्देश देने की जगह छात्रों की प्रगति पर नजर रखते हैं।बोस्टन में कैम्ब्रिज स्ट्रीट पर स्कूल की पहली शाखा किंडरगार्टन से 8वीं तक के 25 छात्रों के छोटे समूह से शुरू होगी। अगले साल यह क्षमता 50 करने की योजना है। फीस 55 हजार डॉलर सालाना होगी। बोस्टन स्कूल समिति ने अभी इस प्रस्ताव को औपचारिक मंजूरी नहीं दी है और सवाल उठाए हैं कि क्या यह मॉडल सामान्य छात्रों की जरूरतों को प्रभावी तरीके से पूरा करता है। हालांकि, कई लोगों का मानना है कि अंततः समिति मंजूरी दे देगी, क्योंकि इस प्रोग्राम को ट्रम्प प्रशासन का मजबूत समर्थन है। बच्चों को इस शिक्षक-रहित स्कूल में दाखिला दिलाने के इच्छुक पैरेंट्स का तर्क है कि अल्फा मॉडल में बच्चे पारम्परिक संस्थानों की तुलना में बहुत तेजी से पढ़ाई पूरी कर सकते हैं। वे इस सिस्टम को सेल्फ-पेस्ड बताते हैं, जो बच्चों को उनके बौद्धिक स्तर के अनुसार सिखाता है।

यह बच्चों को सहपाठियों से नहीं, बल्कि खुद के ही पिछले बेहतरीन प्रदर्शन से प्रतिस्पर्धा के लिए प्रेरित करता है। समर्थकों का दावा है कि इससे 'सेल्फ-डायरेक्शन' और 'रेजिलिएंस' जैसे वास्तविक जीवन-कौशल विकसित होते हैं। इस नए ढांचे में 'शिक्षक' यानी एआई को हर छात्र की जरूरत के अनुसार कस्टमाइज किया गया है। यह उस मूल धारणा को चुनौती देता है कि सीखने के लिए इंसानी शिक्षक चाहिए।इसकी जगह विचार यह है कि बच्चे खुद अपनी शिक्षा यात्रा के प्रोएक्टिव लीडर बन सकते हैं। छात्र गणित, विज्ञान और सोशल स्टडीज के लिए विशेष सॉफ्टवेयर का उपयोग करते हैं, जबकि कमरे में मौजूद गाइड्स के लिए पारंपरिक शैक्षणिक योग्यता भी जरूरी नहीं है। इस अपारंपरिक तरीके के बावजूद स्कूल स्टेट करिकुलम फ्रेमवर्क का पालन करता है और आवश्यकता पड़े तो किसी छात्र की व्यक्तिगत जरूरत के मुताबिक रीडिंग स्पेशलिस्ट जैसे विशेष स्टाफ की नियुक्ति भी करता है।

शायद इस व्यवस्था का सबसे खास पहलू यह है कि कैसे एआई हर बच्चे को व्यक्तिगत तरीके से चुनौती देता है। अब पूरी कक्षा एक समय पर एक ही असाइनमेंट से नहीं जूझती, न छात्रों में सबसे पहले काम खत्म करने की होड़ होती है। इसके बजाय सॉफ्टवेयर हर यूजर के मुताबिक खुद को ढाल लेता है।हालांकि कई पैरेंट्स स्क्रीन टाइम बढ़ने पर चिंता जताते हैं, लेकिन अकसर वे उद्देश्यहीन सोशल मीडिया उपयोग और निगरानी में किए जा रहे प्रोडक्टिव स्कूल वर्क के बीच अंतर को समझ कर संतुष्ट हो जाते हैं।स्कूल प्रशासन का दावा है कि एआई से छात्र पूरे दिन के अकादमिक कार्य को महज दो घंटे में ही पूरा कर लेते हैं,जिससे दिन का बड़ा हिस्सा फिजिकल एजुकेशन और अन्य पाठ्येतर गतिविधियों के लिए बचता है।

इसके दीर्घकालीन प्रभावों को छोड़ें तो फिलहाल यह साफ है कि स्कूली शिक्षा का नया दौर आ चुका है।

फंडा यह है कि हमें खुद को ऐसी जिंदगी के लिए तैयार करना होगा, जहां तकनीक इंसानी अनुभव में बड़ी भूमिका निभाएगी। जैसे-जैसे हमारा पारंपरिक ढांचा पलट रहा है, लगता है कि परिवारों में शिक्षा ही वह पहला अहम स्तंभ है, जो पूरी तरह बदलने जा रहा है। एन. रघुरामन

हम कब तक स्त्री को ही पुरुषों के फैसलों की जिम्मेदार मानते रहेंगे?

हाल ही में जब अभिनेत्री तृषा को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय के स्वतंत्रता दिवस समारोह में देखा गया, तो इसके बाद तूफान खड़ा हो गया। तृषा वहां प्रमुख स्थान पर बैठी थीं और विजय के परिवार के सदस्यों से बातचीत कर रही थीं। इसके बाद तो राजनीतिक तंज, सोशल मीडिया पर अटकलों और- जाहिर है- दोनों के रिश्तों को लेकर चर्चाओं का दौर शुरू होना ही था। लेकिन सबसे पहले हमें सिर्फ एक सवाल पूछना चाहिए : हर बार स्त्री ही क्यों ऐसी किसी कहानी की पात्र बन जाती है? 'दूसरी औरत' समाज के सबसे पुराने और स्थायी खलचरित्रों में से एक है। उसे ऐसी महिला के रूप में देखा जाता है, जो पुरुष को बहकाती है, घर तोड़ती है, महत्वाकांक्षी है और उस जगह घुसपैठ कर बैठती है, जहां उसका कोई अधिकार नहीं था। उसने क्या पहना है, वह कहां बैठी है, उसने किसका अभिवादन किया है और कितनी गर्मजोशी से मुस्कराई है- हर चीज का मुआयना किया जाता है। जबकि कहानी के केंद्र में मौजूद पुरुष अकसर 'पैसिव' दिखलाया जाता है- मानो उसके आसपास सब कुछ अपने-आप होता रहा हो। यह किसी खास रिश्ते का बचाव नहीं है, क्योंकि विजय और तृषा की निजी जिंदगी की सच्चाई गढ़ना हमारा काम नहीं है। पर यह इस बात पर टिप्पणी जरूर है कि किस तरह सार्वजनिक अटकलें बहुत जल्दी महिलाओं पर नैतिक जिम्मेदारी डाल देती हैं, जबकि पुरुष की भूमिका को नजरअंदाज कर दिया जाता है।अगर ताकतवर पोजिशन पर मौजूद कोई पुरुष किसी महिला को बुलाने, उसे अपने साथ शामिल करने, उससे मित्रता करने या मेलजोल रखने का फैसला करता है, तो वह उसका अपना निर्णय है। अगर उनमें कोई रिश्ता है, तो इस कथानक में भी पुरुष असहाय पात्र नहीं है। वह वयस्क है। उसकी अपनी इच्छा है। वह अपने फैसले खुद लेता है। पर पितृसत्ता महिलाओं को ही एक-दूसरे के खिलाफ खड़ी करना आसान समझती है। शायद इसलिए कि महत्वाकांक्षी स्त्री आज भी हमें असहज करती है। आकर्षक स्त्री हमें संशय में डालती है। और अगर कोई महिला किसी जगह पर अपनी मौजूदगी के लिए 'अपोलोजेटिक' नहीं है, तो वह देखते ही देखते लोगों के निशाने पर आ सकती है। हम आज भी महिलाओं को मर्यादित, संकोची और नैतिक रूप से आश्वस्त करने वाली ही देखना पसंद करते हैं। अगर वे खूबसूरत, सफल और सत्ता के करीब हों, तो हम उनके दोषी होने के सबूत तलाशने लगते हैं। हम पुरुष के निर्णयों पर भी इतनी ही शिद्दत से सवाल क्यों नहीं उठाते? आखिर सत्ता में होने भर से व्यक्ति की निर्णय लेने की क्षमता कम नहीं होती; उलटे और बढ़ जाती है। प्रभावशाली पुरुषों को उनके निजी या पेशेवर संबंधों में निष्क्रिय-पक्ष की तरह पेश करना सिर्फ लैंगिक भेदभाव ही नहीं है- यह बेतुका भी है। सदियों से महिलाएं पुरुषों के फैसलों के परिणाम ढोती आई हैं : पत्नियों से विवाह बचाए रखने की उम्मीद की जाती है, मांओं से परिवार को जोड़े रखने की, बेटियों से परिवार की 'इज्जत' बचाने की और 'दूसरी औरतों' से दोष अपने सिर लेने की। शायद अब इस पटकथा को बदलने का समय आ गया है। इस प्रसंग में फेमिनिस्ट-दृष्टिकोण का प्रश्न सीधा-सरल है : हम महिलाओं को पुरुषों के फैसलों की नैतिक जिम्मेदार मानना कब बंद करेंगे? जब तक हम ऐसा नहीं करेंगे, हर कथित 'दूसरी औरत' को जनमत की अदालत के कठघरे में खड़ा किया जाता रहेगा- जबकि पुरुष आरामदेह तरीके से दोषारोपण की फ्रेम के बाहर निकल जाएगा! (ये लेखिका के अपने विचार हैं,मेघना पंत)

यह जरूरी हो गया है कि हम अपने पूर्वी समुद्र की रक्षा करें

कल जब ऑपरेशन सिंदूर की पहली सालगिरह मनाई जाएगी तो हमें उन 87 घंटों में भारतीय सेना के पराक्रम की कई कहानियां सुनने-

पढ़ने को मिल सकती हैं। लेकिन हमें यह विचार भी करना चाहिए कि भविष्य में हमें किस तरह की लड़ाई लड़नी पड़ सकती है। हमें पश्चिम से पूरब तक फैले अपने भौगोलिक विस्तार पर नजर डालनी चाहिए।फिलहाल हमारी पूर्वी सीमा पर शांति दिखती है, लेकिन यह स्थिति बदल सकती है। याद रहे कि फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने 9 अगस्त 2025 को फ्लोरिडा में दिए अपने भाषण में क्या दावे किए थे।उन्होंने कहा था कि अगली बार पाकिस्तान पूर्वी मोर्चे से लड़ाई शुरू करेगा क्योंकि वहीं भारत ने अपने कीमती संसाधन स्थापित किए हैं! अब जरा नक्शा खोलकर उस क्षेत्र पर नजर डालिए। आपको हमारे 3,416 किमी लंबे पूर्वी समुद्री तट पर क्या दिखता है?वहां बंगाल की खाड़ी के साथ सटी बांग्लादेश की 600 किमी लंबी समुद्री सीमारेखा है, उसके बाद म्यांमार की 2,227 किमी लंबी समुद्री सीमारेखा है। फिर थाईलैंड है। इससे दक्षिण में अंडमान सागर आपको मलक्का स्ट्रेट से होकर प्रशांत महासागर में पहुंचा देता है। इनमें से बांग्लादेश और खासकर म्यांमार चीन के दबदबे में आ सकते हैं। और अगर कभी, किसी स्थिति में थाईलैंड ने 'क्रा इस्थमुस' की सबसे संकरी 50 किमी भूमि पट्टी पर, जहां उसकी दक्षिणी सीमा मलय प्रायद्वीप से जुड़ती है, नहर खोदने के अपने इरादे को अमली जामा पहनाने का फैसला किया, तब जहाजों को प्रशांत महासागर से अंडमान सागर में पहुंचने का समय तीन दिन घट जाएगा।इसके अलावा, यह रणनीतिक दृष्टि से एक दबाव-क्षेत्र के रूप में मलक्का स्ट्रेट की हैसियत को कमजोर कर देगा। इस इरादे को हकीकत बनाने पर 55 अरब डॉलर का खर्च आएगा, जो इसे एक कपोल कल्पना जैसा बना देता है, लेकिन इसमें काफी संभावनाएं भी हैं। तभी तो यह विचार पिछले 350 वर्षों से कायम है।यह विचार अक्टूबर 2023 में तब चर्चा में आया था, जब थाईलैंड के तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रेत्थ थाविसिन ने बीजिंग में 'बीआरआई' के मंच पर इसका अनमने ढंग से जिक्र किया था और यह कैमरों में दर्ज हो गया था।इसके बाद, आप यह सोचने में देर नहीं करेंगे कि अगर यह प्रोजेक्ट कभी वास्तविकता में बदला तो यह चीन की मदद से ही होगा और हो सकता है कि चीन उसका मालिक भी बन जाए। यह भारत के व्यस्त पूर्वी समुद्र तट, उसके किनारे बसे महानगरों और औद्योगिक क्षेत्रों को चीन के निशाने पर ला देगा। प्रशांत महासागर खतरनाक रूप से भारत के नजदीक आ जाएगा।इतिहास बताता है और यह स्वाभाविक भी रहा है कि भारत को पाकिस्तान और चीन से पश्चिम तथा उत्तर की ओर से खतरा पेश आता रहा है। पूरब पर कम ध्यान दिया गया है। 'क्वाड' की, और मलक्का जलडमरूमध्य की वजह से हासिल बढ़त की भी काफी चर्चा होती रही है, लेकिन मनोवैज्ञानिक दृष्टि से भारत पूरब को लेकर आश्वस्त रहा है।यही वजह है कि हमारी थलसेना और वायुसेना उत्तर और पश्चिम पर ही नजर रखती रही है। यहां तक कि नौसेना का ध्यान भी पश्चिम पर ही रहा है। भूगोल ने भारत को अपनी सुरक्षा के लिए वह सब कुछ दिया है, जिसकी उसे जरूरत है। पूरब में अंडमान निकोबार द्वीप ऐसे विमानवाहक युद्धपोतों की तरह हैं, जिन्हें कभी डुबाया नहीं जा सकता। वे जहाजों, पनडुब्बियों, लड़ाकू तथा टोही विमानों के अड्डे बन सकते हैं।लंबी रेंज और ईंधन भरने की सुविधा के बूते भारत पूरी बंगाल की खाड़ी, अंडमान सागर और उससे आगे तक पर नजर रख सकता है। यह ग्रेट निकोबार द्वीप को हमारे दक्षिण का आखिरी क्षेत्र बना देता है, जो अनूठी रणनीतिक थाती बन जाती है। राहुल गांधी वहां बहुद्देशीय नगर एवं बंदरगाह के निर्माण का विरोध करने गए थे। दरअसल, वहां विशाल सैन्य अड्डा बनाने की योजना है।यह योजना चीन को मलक्का जलडमरूमध्य में रोकने की संभावना के गलत आकलन में उलझ गई है। मलक्का स्ट्रेट इंडोनेशिया, मलेशिया और सिंगापुर जैसे ताकतवर स्वतंत्र देशों के बीच स्थित है। इसे बंद करने के लिए भारत को उसी तरह लापरवाह होना पड़ेगा, जिस तरह ईरान होर्मुज के मामले में है, क्योंकि यह दोस्तों और दुश्मनों- जापान, दक्षिण कोरिया और रूस भी को बाधा पहुंचाएगा।भारत इतना जोखिम तभी उठा सकता है, जब वह सचमुच में हताशा की स्थिति में पहुंच जाए।

इसलिए, देश के कवच के रूप में द्वीपों, खासकर ग्रेट निकोबार पर नजर रखना ज्यादा आसान है।

अगर इन्हें बुद्धिमानी और धैर्य के साथ विकसित किया जाए तो ये पूर्वी भारत को वैसी ही सुरक्षा दे सकते हैं, जैसी हिमालय उत्तर भारत को दे रहा है।

यह परियोजना अब शुरू हो गई है। सोचें अगले 10-15 साल में क्या कुछ नया उभर सकता है?आज जब सत्ता-समर्थक सोशल मीडिया पर बांग्लादेश के खिलाफ गुस्सा और उस पर अविश्वास चरम पर है, तब मैं बस इतना ही कहूंगा कि पूरब के बारे में सोचिए, पूर्वी समुद्रतट के बारे में विचार कीजिए और अपनी ताकत बढ़ाते हुए उन द्वीपों पर नजर रखिए।(ये लेखक के अपने विचार हैं,शेखर गुप्ता)

जन्म-मृत्यु के आंकड़े सरकारी डेटाबेस के बहुत काम के होंगे

जन्म-मृत्यु पंजीकरण कानून, 1969 के लागू होने के पांच दशक से अधिक समय बाद एनडीए सरकार ने इसमें संशोधन किया है। संशोधन के जरिए जन्म और मृत्यु की रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया को अधिक सख्त बनाया गया है। संशोधित कानून का उद्देश्य देश में दशकों से व्याप्त गलत या देरी से की गई एंट्री की समस्या को दूर करना है। जन्म और मृत्यु का समय पर रजिस्ट्रेशन अहम है, क्योंकि यह सरकार और नागरिकों के बीच संस्थागत संपर्क बनाता है। यह जनसांख्यिकीय योजनाएं बनाने में मददगार है। इसके अलावा, सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में भी इनका इस्तेमाल होता है। इस कानून में यह पहला संशोधन नहीं है। 2023 में भी इसमें संशोधन किया गया था, जिसके जरिए बर्थ सर्टिफिकेट को भारतीयों के लगभग हर पहचान दस्तावेज से जोड़ दिया गया था। इसके अलावा यह जनसंख्या रजिस्टर और मतदाता सूचियां बनाने में भी मददगार रहा। अब जन्म और मृत्यु के डेटाबेस की मदद से सरकार किसी व्यक्ति के मतदान योग्य होने या पंजीकृत मतदाता की मृत्यु होने पर मतदाता सूची अपडेट कर सकती है। 1969 से पहले सरकार को किसी व्यक्ति के अस्तित्व की जानकारी अलग-अलग प्रशासनिक रिकॉर्डों के माध्यम से मिलती थी, क्योंकि जन्म को दर्ज करने के लिए कोई एक समान नेशनल लीगल फ्रैमवर्क नहीं था। जन्म-मृत्यु पंजीकरण अधिनियम लागू होने के बाद ऐसा फ्रैमवर्क लागू किया गया और हर जन्म का पंजीकरण अनिवार्य किया गया। अब जबकि जन्म प्रमाणपत्र काफी अहम हो गया है तो सरकार ने हालिया संशोधन के जरिए देरी से होने वाले जन्म के रजिस्ट्रेशन के लिए अधिक कड़ी जांच की व्यवस्था कर दी है।

वाराणसी में गलियों में जल रहीं चिताएं,कानपुर के सड़क पर 18 फीट गहरा गड्ढा बना,एमपी के 17 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली/लखनऊ। नेपाल में अचानक आई बाढ़ से मची तबाही के बाद यूपी में अलर्ट जारी है। काशी में मणिकर्णिका और हरिश्चंद्र घाट पर शवदाह स्थल कमजोर बना हुआ है। 19 से 26 अगस्त के बीच प्रदेश में सामान्य से 29 फीसदी कम बारिश हुई। इस अवधि में सामान्य 48.8 मिलीमीटर बारिश सकती है। मौसम विज्ञान केंद्र ने इसके लिए यलो अलर्ट जारी किया है। नेपाल के रसुवा जिले में बुधवार को बाढ़ से तबाही के बाद बिहार की गंडक नदी में

पानी में डूब गए हैं। ऐसे में गलियों और छतों पर अंतिम संस्कार किया जा रहा है। वहीं, कानपुर में 12 घंटे की तेज बारिश के बाद सड़क पर 18 फीट गहरा गड्?ढा हो गया। मध्य प्रदेश में मानसून एक बार फिर सक्रिय है। गुरुवार को पूर्वी और उत्तरी हिस्से के 17 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, सागर, रीवा और शहडोल संभाग में मानसूनी सिस्टम का असर रहेगा। इन जिलों में अगले 24 घंटे में ढाई से 4 इंच तक बारिश होने की संभावना है। छत्तीसगढ़ में आज कई जगह बारिश का अलर्ट है। कुछ इलाकों में भारी बारिश के साथ गरज-चमक और बिजली गिरने की चेतावनी है। बलरामपुर के तेतरडीह में मंगलवार दोपहर कृषि विभाग का बांध टूट गया। पानी खेतों में भरने से धान की फसल को नुकसान हुआ है। उत्तराखंड के पहाड़ी जिलों में आज अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज-बौछार हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, हरिद्वार और ऊधम सिंह नगर में भी कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ बौछार पड़ने की संभावना है। हिमाचल प्रदेश में पिछले एक सप्ताह से मानसून के मुकाबले 34.5 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई। इस दौरान बिलासपुर और मंडी को छोड़कर प्रदेश के सभी जिलों में सामान्य से कम बारिश हुई। पंजाब-चंडीगढ़ में आज बारिश के आसार हैं। हिमाचल से सटे पंजाब के पांच जिलों पठानकोट, गुरदासपुर, होशियारपुर, नवांशहर और रूपनगर में 27 अगस्त को कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। वहीं, चंडीगढ़ में आंशिक रूप से बादल छाए रहने के साथ एक-दो बार बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है।हरियाणा में मानसून की रफ्तार धीमी पड़ गई है। बुधवार को रेवाड़ी और आसपास के इलाकों में हल्की बारिश देखने को मिली। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार आज प्रदेश के केवल 3 उत्तरी जिलों पंचकूला, अंबाला और यमुनानगर में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव और चक्रवाती हवा के असर से झारखंड में बारिश का दौर जारी है। राजधानी रांची, हजारीबाग और गिरिडीह के कई हिस्सों में बुधवार को झमाझम बारिश हुई। वहीं, 27 अगस्त को रांची समेत मध्य झारखंड के कई जिलों में भारी बारिश की स्थिति बन पानी बढ़ने लगा है। रात 12 बजे तक नेपाल की ओर से करीब डेढ़ लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। बगहा स्थित गंडक बैराज के 36 गेट खोल दिए गए हैं। नेपाल में अचानक आई बाढ़ से मची तबाही के बाद यूपी में अलर्ट है। महराजगंज और कुशीनगर को हाई अलर्ट पर रखा गया है। नेपाल की ओर से करीब डेढ़ लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने के बाद गंडक बैराज के 36 गेट खोल दिए गए हैं। इससे गंडक नदी में पानी तेजी से बढ़ रहा है। मध्य प्रदेश के पूर्वी और उत्तरी हिस्से के 17 जिलों में गुरुवार को भारी बारिश का अलर्ट है। मौसम विभाग की माने तो सागर, रीवा और शहडोल संभाग के जिलों में मानसूनी सिस्टम एक्टिव रहेगा। राजस्थान में मानसून फिर से एक्टिव हो गया है। आज भी 12 जिलों में तेज बारिश की चेतावनी है। बीते 24 घंटे में जयपुर सहित 10 जिलों में 2 इंच तक पानी बरसा है। झालावाड़ में कालीसिंध नदी में लगातार पानी आने से बांध का एक गेट खोलकर 8 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। कोटा में बने नवनेरा बांध से भी 3 गेट के जरिए 25 हजार क्यूसेक से ज्यादा पानी छोड़ा जा रहा है।

कानपुर में ट्रेनी विमान क्रैश, पायलट और ट्रेनी की मौत,दोनों बाहर नहीं निकल पाए

कानपूर। कानपुर में गुरुवार सुबह 11:50 बजे एक ट्रेनिंग विमान क्रैश हो गया। विमान उड़ा रहे पायलट और ट्रेनी की मौत हो गई। हादसा गंगा बैराज के सीटर विमान ने चकेरी स्थित गर्ग एविएशन ट्रेनिंग सेंटर से 11:30 बजे उड़ान भरी थी। 20 मिनट बाद 39 किमी दूर नत्थापुरवा गांव में क्रैश हो गया। ट्रेनिंग एकेडमी का है। यहां 100 से ज्यादा युवक-युवतियां ट्रेनिंग ले रहे हैं। इनके पास सिंगल इंजन और ट्विन इंजन दोनों तरह के जहाज हैं। पुलिस के

पास हुआ। जिस वक्त विमान हवा में डगमगाया, वह करीब 100 फीट ऊपर था। संतुलन बिगड़ने के बाद विमान पेड़ों से टकराता हुआ नीचे जा गिरा। फिर तेज धमाका हुआ। दुर्घटनास्थल पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। करीब 12:15 बजे पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। इलाके की घेराबंदी की। पुलिस ने खून से लथपथ पायलट सचिन भाटिया (गुजरात) और ट्रेनी अभिषेक पुजारी (कर्नाटक) को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। घटना से जुड़े कुछ वीडियो भी सामने आए हैं, जिनमें दिख रहा है कि ऊंचाई से गिरने के बाद विमान मलबे में तब्दील हो गया। कॉकपिट के पास फंसा हुआ एक पायलट नजर आ रहा है। दूसरा गंभीर हालत में विमान से थोड़ी दूर खून से लथपथ पड़ा है। विमान की एक सीट भी टूटकर बाहर पड़ी हुई है। कानपुर पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल ने बताया- 'टेक्नम कंपनी के चार-पायलट के पास 3000 घंटे उड़ान का अनुभव था। डीजीसीए (डीजीसीए) को जानकारी दे दी गई है। अब उनकी टीम जांच-पड़ताल करेगी।' पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल ने बताया- गर्ग एविएशन ट्रेनिंग सेंटर से साढ़े 11 बजे 4 सीटर एयरक्राफ्ट ने उड़ान भरी थी। 11 बजकर 50 मिनट पर हादसा हुआ है। इसमें दो लोगों की मौत हुई है। इसमें गुजरात के रहने वाले इंस्ट्रक्टर सचिन भाटिया और कर्नाटक के रहने वाले ट्रेनी अभिषेक पुजारी थे। ट्रेनर (इंस्ट्रक्टर) के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। इनके पास 3000 घंटे का फ्लाइंग का अनुभव था। अभी डीजीसीए को इन्फॉर्म कर दिया गया है। उनकी टीम जांच-पड़ताल करेगी। पूरे एरिया को प्रोटेक्ट कर दिया गया है। यह टेक्नम प्लेन है और इसके बारे में जानकारी मिली है कि 2023 में इसे ट्रेनिंग के लिए लाया गया था। आगे जो भी टेक्निकल जानकारी डीजीसीए की ओर से की जाएगी। विमान कानपुर की गर्ग एविएशन फ्लाइंग मुताबिक, ग्वालटोली थाना क्षेत्र के नत्था पुरवा में गुरुवार सुबह ट्रेनिंग के दौरान विमान दुर्घटनाग्रस्त होकर जमीन पर गिर गया। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, विमान ने सुबह करीब 11:30 बजे कानपुर कैंट क्षेत्र से उड़ान भरी थी। बताया जा रहा है कि विमान चार सीटर था और ट्रेनिंग उड़ान पर था। उड़ान भरने के कुछ देर बाद यानी 11:50 बजे विमान नत्था पुरवा क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान के जमीन पर गिरते ही तेज आवाज हुई।

आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। हादसे में जान गंवाने वाले पायलटों की पहचान अभिषेक पुजारी निवासी कर्नाटक और सचिन भाटिया निवासी गुजरात के रूप में हुई है। अभिषेक एयरक्राफ्ट उड़ाने की ट्रेनिंग ले रहे थे। सचिन उन्हें सिखा रहे थे। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने घटनास्थल को घेरकर राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया है।

भागवत के न्यूयॉर्क कार्यक्रम से पहले एचएएफ का सुरक्षा अलर्ट, आरएसएस प्रोग्राम का विरोध करने वाले मेयर ममदानी से कहा- सभी की सुरक्षा सुनिश्चित करें

न्यूयॉर्क। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के 29 अगस्त को में शामिल होने वाले लोगों से सतर्क रहने, आसपास की विरोध किया है। इसको लेकर एचएएफ ने न्यूयॉर्क के मेयर

न्यूयॉर्क के मेडिसन स्क्वायर गार्डन में होने वाले यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन कार्यक्रम से पहले हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन (एचएएफ) ने सुरक्षा एडवाइजरी जारी की है। संगठन ने कार्यक्रम गतिविधियों पर नजर रखने और किसी भी तरह के टकराव से बचने की अपील की है। दरअसल, भागवत के कार्यक्रम का न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी समेत कुछ संगठनों ने ममदानी से भागवत के कार्यक्रम में शामिल लोगों समेत सभी न्यूयॉर्कवासियों की सुरक्षा और नागरिक अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करने की अपील की है।

300 किमी की रफ्तार से कार चलाई-अरेस्ट, पुलिस ने पोर्शे कार जब्त की, 3 दिन से वायरल हो रहा था वीडियो

अहमदाबाद। अहमदाबाद के रिहायशी इलाके में 300 किमी 1:30 बजे हुई थी। अगले दिन इसका वीडियो वायरल हुआ था।

प्रति घंटे की स्पीड से पोर्शे कार दौड़ाने वाले शख्स को पुलिस ने अरेस्ट कर लिया है। कार चलाने वाले शख्स की पहचान 24 साल के मोहम्मद अकरान तिरमिजी के रूप में हुई है। तिरमिजी पेशे से कमर्शियल पायलट है। पुलिस ने बताया कि कार तिरमिजी के पिता मोहम्मद इलियास तिरमिजी के नाम पर रजिस्टर्ड है। फिलहाल कार भी जब्त कर ली गई है। 23 अगस्त को वीडियो हुआ था वायरल- नवरंगपुरा पुलिस के मुताबिक, यह घटना 22 अगस्त को दोपहर करीब वीडियो में सिल्वर रंग की पोर्श कार एचसीजी अस्पताल से लॉ गार्डन के बीच खतरनाक स्पीड से गुजरती नजर आ रही है। भारतीय न्याय संहिता की धारा 281 में केस- अकरान के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 281 और मोटर व्हीकल एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। धारा 281 में सार्वजनिक रास्ते पर इस तरह तेज या लापरवाही से वाहन चलाने पर सजा का प्रावधान है, जिससे किसी की जान खतरे में पड़ सकती है।

आंध्र प्रदेश में बस और ऑटो-रिक्शा की टक्कर,7 की मौत

पलनाडु। आंध्र प्रदेश के पलनाडु जिले में गुरुवार को एक बस ने ऑटो-रिक्शा को टक्कर मार दी। हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 6 अन्य घायल हुए हैं। घायलों में 4 बच्चे भी शामिल हैं। पुलिस ने यह जानकारी दी। हादसा चिलकलूरिपेट मंडल के अड्डा रोड के पास हुआ। बस विजयवाड़ा से तिरुपति जा रही थी, तभी उसने 15 यात्रियों को लेकर जा रहे ऑटो-रिक्शा को टक्कर मार दी। पुलिस के मुताबिक, ऑटो-रिक्शा सड़क के गलत तरफ मुड़कर बस के रास्ते में आ गया था। उस समय बस करीब 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही थी। नरसारावपेट के डीएसपी एम. हनुमंत राव के मुताबिक, हादसा रात करीब 1 बजे हुआ।

लुधियाना में रक्षाबंधन से पहले भाई-बहन की मौत,सांप ने डसा, परिवार ने समझा- मच्छर ने काटा

लुधियाना। लुधियाना में रक्षाबंधन से पहले सांप के डसने से भाई-बहन की मौत हो गई। दोनों ने 18 घंटे के भीतर दम तोड़ दिया। मरने वाले भाई जोबनप्रीत सिंह की उम्र 8 साल और बहन जसप्रीत कौर की उम्र 6 साल थी। दोनों घर के आंगन में सो रहे थे। पहले परिवार को लगा कि उन्हें मच्छर ने काटा है। मगर, जब बच्चों को सांस लेने में दिक्कत हुई और वह जोर-जोर से रोने लगे तो परिवार ने उनके हाथ में डंक देखा। तब खाट के नीचे सांप भी नजर आया। इसके बाद उन्हें अस्पताल लेकर गए लेकिन बचाया नहीं जा सका। जसप्रीत पहली कक्षा में पढ़ती थी, जबकि उसका भाई जोबनप्रीत तीसरी कक्षा का छात्र था। त्योहार से पहले इस घटना के बाद परिवार में मातम का माहौल है। गर्मी के कारण आंगन में सोया था परिवार- रक्षाबंधन से पहले ये घटना लुधियाना के बस्सियां में हुई। अमनदीप सिंह का परिवार गर्मी के कारण घर के आंगन में खाट बिछाकर सो रहा था। परिवार में अमनदीप सिंह, उनकी पत्नी, तीन बच्चे और उनकी मां थीं। 8 वर्षीय जोबनप्रीत सिंह और 6 वर्षीय जशनप्रीत कौर अपनी दादी जिंदर कौर के पास सोए थे।

सीएम मान बोले- हड़ताल खत्म करो तभी मीटिंग होगी, मुलाजिम नेताओं को बाहर बैठाया, जालंधर में मुलाजिमों की पुलिस से धक्कामुक्की

लुधियाना/जालंधर/अमृतसर/मोहाली। पंजाब में आज 7 लाख से अधिक सरकारी मुलाजिम और पेंशनर डीए समेत 8 मांगों को लेकर महा हड़ताल पर हैं। इसके चलते सरकारी दफ्तर, अस्पतालों और डिस्पेंसरियों में ओपीडी सेवाएं बंद हैं। कर्मचारियों ने अपने-अपने विभागों के प्रमुखों से सामूहिक छुट्टी ली है और पूरे दिन हड़ताल पर रहने का ऐलान किया है। इसी बीच सीएम भगवंत मान ने सोशल मीडिया पर मुलाजिमों को दोटूक कहा कि हड़ताल और बातचीत एक साथ नहीं चल सकती। सूत्रों के मुताबिक, जालंधर स्थित पीएपी में सीएम के साथ कर्मचारी संगठनों की मीटिंग होनी थी, लेकिन सीएम ने मुलाजिमों को बाहर बैठा रखा है। उन्होंने कहा कि बातचीत तभी होगी, जब हड़ताल खत्म हो जाएगी। भगवंत मान सीएम, पंजाबः- 'मुलाजिम हमारे परिवार का अहम हिस्सा हैं। हम उनकी हर जायज बात सुनने को तैयार हैं, लेकिन बातचीत और हड़ताल साथ नहीं चल सकती। सरकार समाधान के लिए प्रतिबद्ध है, हड़ताल खत्म होने पर बातचीत होगी।' वहीं जालंधर में मुलाजिमों और पुलिस में धक्कामुक्की हुई। मुलाजिम यहां रोड जाम करने जा रहे थे लेकिन पुलिस ने उन्हें धक्के देकर हटाने की कोशिश की। जिसमें कुछ मुलाजिम सड़क पर बैठ गए। इधर, मोहाली सिविल अस्पताल में दवाई लेने पहुंचे एक व्यक्ति ने बताया कि गार्ड ने उसे यह कहकर बाहर कर दिया कि आज हड़ताल है, अब कल आना। वहीं पठानकोट में नगर निगम दफ्तर, सिविल अस्पताल में ताले लटके मिले। अफसरों की कार चलाने वाले ड्राइवर भी हड़ताल में शामिल हैं। इसके चलते अधिकारियों को दफ्तर पहुंचने में परेशानी हुई। लुधियाना के डीसी भी

सुबह साढ़े 9 बजे तक अपने कार्यालय नहीं पहुंचे थे। जालंधर में शाहकोट से 86 साल की रिटायर्ड टीचर रणधीर कौर धरना देने पहुंची है। सांझा मुलाजिम मंच पंजाब ने पहले सरकारी बसों के ड्राइवर-कंडक्टरों के हड़ताल में शामिल होने की घोषणा की थी। बुधवार को वित्त मंत्री के साथ बैठक के बाद उन्होंने रक्षाबंधन का हवाला देते हुए हड़ताल में शामिल नहीं होने का फैसला किया। इसलिए पंजाब रोडवेज, पनबस और पीआरटीसी की बसें चल रही हैं। वहीं कई जगह सरकारी स्कूल भी खुले हुए हैं। वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि-: 'सीएम जालंधर में व्यस्त थे, इसलिए बैठक जालंधर में शिफ्ट की गई है। कर्मचारी आज अपनी हड़ताल वापस ले लेंगे। कर्मचारी पंजाब के लोगों की भलाई के लिए हैं और उन्हें आम जनता को परेशान नहीं करना चाहिए। लोग टैक्स के रूप में पैसे देते हैं, इसलिए उन्हें किसी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए।' मुलाजिम नेता लवप्रीत बल्ली ने जालंधर में धरना खत्म करने की घोषणा कर दी। उन्होंने कहा कि सीएम ने मुलाजियों को नहीं बुलाया। अब जैसे ही सांझी कमेटी की अगली कॉल आएगी तो अगला प्लान बनाया जाएगा फिलहाल धरना खत्म किया जा रहा है। शाहकोट से 86 वर्षीय रणधीर कौर धरना देने के लिए पहुंची है। वह 1999 में जेबीटी टीचर रिटायर्ड हैं। उन्होंने कहा कि कई सरकारें अपने कार्यकाल में और उम्र के पड़ाव में देख ली हैं, लेकिन सरकारों के भैया में कोई बदलाव नहीं आया है, पहले भी धरना देने पड़े। सांझा मुलाजिम मंच के संयोजक ने कही ये अहम बातें- कोई चक्का जाम नहीं होगाः सांझा मुलाजिम मंच पंजाब के संयोजक हरनेक सिंह ने कहा कि आज किसी भी तरह का चक्का जाम नहीं किया जाएगा और न ही आम जनता की आवाजाही रोकी जाएगी। बाजार, दुकानें और सभी निजी प्रतिष्ठान सामान्य रूप से काम करेंगे। सरकारी कर्मचारी सामूहिक छुट्?टी पर रहेंगे और काम नहीं करेंगे। ड्राइवर अधिकारियों की गाड़ियां भी नहीं चलाएंगे। एसआईआर में लगे कर्मी भी हड़ताल परः उन्होंने बताया कि यूनियन ने चुनाव आयोग को औपचारिक पत्र लिखकर अवगत करा दिया है कि आज एसआईआर ड्यूटी में लगे कर्मचारी भी सामूहिक अवकाश पर हैं और कोई काम नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अफसर किसी भी कर्मचारी को काम करने के लिए बाध्य न करें। खजाना दफ्तर कर्मचारी भी हड़ताल परः उन्होंने कहा कि खजाना दफ्तर के कर्मचारी भी हड़ताल पर हैं।

21 साल की मॉडल की घर में घुसकर हत्या,चाकू से गोदा, वारदात के वक्त अकेली थी, आरोपी जिम ट्रेनर इमरान फरार

नयी दिल्ली। दिल्ली के तिलक नगर इलाके में बुधवार कोशिश कर रही है कि आरोपी घर तक कैसे पहुंचा और वारदात

शाम 21 साल की मॉडल की उसके घर में घुसकर हत्या कर दी गई। आरोप जिम ट्रेनर इमरान पर लगा है। वह पिछले कुछ समय से युवती को जानता था। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, बुधवार को युवती मुस्कान के परिजन बाहर गए हुए थे और वह घर में अकेली थी। तभी आरोपी वहां पहुंचा और उस पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही-पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच कर रही है। इसमें आरोपी भागते नजर आ रहा है। पुलिस पता लगाने की के बाद किस रास्ते से फरार हुआ। दोस्त बोला- इमरान बहुत काफी समय से परेशान कर रहा था- मृतका के दोस्त ने बताया कि मुस्कान स्टूडेंट थी। पार्ट टाइम मॉडलिंग करती थी। बुधवार शाम करीब 7 बजे मुस्कान की बहन ने उसे कॉल किया। उन्होंने बताया कि मुस्कान को किसी ने चाकू मार दिया। आरोपी का नाम इमरान है और वह मुस्कान की जिम में ट्रेनर था। युवक ने बताया- इमरान साइको था और बात नहीं करने पर मुस्कान को परेशान कर रहा था। इमरान उसका पीछा करता था और शादी के लिए दबाव बना रहा था। वह उससे पीछा छुड़ाना चाहती थी।

मुंबई में 10वीं मंजिल से कूदी नवविवाहिता, पैर में डाल घुसने से पेड़ में फंसी,20 फीट ऊपर से रेस्क्यू

मुंबई। मुंबई में बीते बुधवार सुबह एक नवविवाहिता ने 10वीं लगने के बाद पीड़ित को सर्जरी के लिए एलटीएमजी सायन

मंजिल से छलांग लगा दी। जमीन पर गिरने से पहले वह नीचे पेड़ में फंस गई, जिससे उसकी जान बच गई। हालांकि, पेड़ की एक मोटी डाल उसके पैर में घुस गई, जिससे वह हवा में लटकी रही। घटना तुलशेतपाड़ा की सनशाइन को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी में सुबह करीब 9:30 बजे की है। खबर मिलते ही मुंबई फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और करीब 20 फीट की ऊंचाई से महिला को सुरक्षित नीचे उतारा। 26 साल की प्रतीक्षा हिवराले की 4 महीने पहले ही शादी हुई थी। प्रतीक्षा ने छलांग क्यों लगाई, इसका कारण सामने नहीं आया है। बाएं पैर में चोट अस्पताल रेफर किया गया। आरी से डाल काटी, रस्सियों के सहारे उतारा-प्रतीक्षा ने बिल्डिंग की खिड़की से छलांग लगाई थी। गिरते समय वह पास में लगे पेड़ पर जा गिरी। करीब 50-60 मिमी मोटी डाल उसकी जांघ में घुस गई और वह 20 फीट ऊपर अटक गई।फायर ब्रिगेड ने एंगस लैडर से महिला तक पहुंच बनाई। इलेक्ट्रिक आरी से डाल काटी गई और रस्सियों से स्ट्रेचर के सहारे उसे सुरक्षित नीचे उतारा गया। रेस्क्यू के बाद प्रतीक्षा को अस्पताल ले जाया गया, जहां से सायन अस्पताल रेफर किया गया। उसकी हालत गंभीर है।

दिल्ली पुलिस ने उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिकाओं से नाखुश

नयी दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने दिल्ली दंगों की साजिश मामले योजना बनाने और लोगों को जुटाने में अहम भूमिका निभाई

में उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिकाओं का विरोध किया है। पुलिस ने दोनों को मास्टरमाइंड बताते हुए कहा कि उन्होंने साजिश की थी।

पुलिस ने अदालत में दलील दी कि दोनों की नई जमानत याचिकाएं समय से पहले दाखिल की गई हैं।

कहानी नोरा की- जीवन में आगे निकलने की जद्दोज़हद, परेशानी, ठगी और न जाने क्या..

काम दिलाने की आड़ में ठगे गए 20 लाख रुपए,नोरा फतेही बोलीं- मेरा मजाक उड़ाया गया

मुंबई। मुंबई की चमक-दमक के पीछे ठगी, ताने और संघर्ष की लंबी कहानी भी छुपी है। नोरा फतेही की जिंदगी भी ऐसी ही रही, जहां काम दिलाने का वादा कर 20 लाख रुपए ठग लिए गए और कई बार

उन्हें बिना फीस के गाने करने पड़े। 'मेरा मजाक उड़ाया गया, दिलबर जैसे कई गाने फ्री में करने पड़े'- यह दौर उनकी पहचान बनने से पहले के संघर्ष को दिखाता है। कनाडा से मुंबई आई नोरा ने वेटर से लेकर ऑडिशन तक हर रास्ता अपनाया, लेकिन हार नहीं मानी। यही संघर्ष आगे चलकर उनकी स्टारडम की सबसे बड़ी ताकत बना। नोरा फतेही जन्मः 6 फरवरी 1992, कनाडा मां-पिता मोरक्को के रहने वाले छोटा भाई ओमर फतेही, पढ़ाईः टोरंटो के वेस्टव्यू सेंटेनियल सेकेंडरी स्कूल से ग्रेजुएशन मुस्लिम परिवार से ताल्लुक रखती हैं। छिपकर डांस करती थीं नोरा, नहीं ली ट्रेनिंग; मां ने डांटा और पिटाई भी की- नोरा का जन्म एक रूढ़िवादी मुस्लिम परिवार में हुआ। घर में डांस को लेकर कड़ा विरोध था, लेकिन उनके अंदर बचपन से ही डांस का जुनून था। उन्होंने कभी प्रोफेशनल डांस ट्रेनिंग नहीं ली। वे अलग-अलग डांस स्टाइल्स वीडियो देखकर और लगातार प्रैक्टिस से सीखती रहीं। नोरा बचपन में घर के अंदर बंद कमरे में छिपकर डांस करती थीं। उन्हें डर रहता था कि परिवार को पता चल गया तो डांट पड़ेगी। एक बार उनकी मां ने उन्हें डांस करते देख लिया, जिसके बाद उन्हें डांट और सख्त प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ा। यहां तक की मां ने पिटाई भी की। विरोध के बावजूद नोरा ने डांस करना नहीं छोड़ा और अपने सपनों के लिए लगातार मेहनत करती रहीं। परिवार के विरोध और मुश्किल माहौल के बीच उन्होंने पढ़ाई पूरी की और इसके बाद भारत आने का फैसला किया। उनका सपना एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में नाम बनाने और खुद को डांसर व परफॉर्मर के रूप में स्थापित करने का था। 5,000 रुपए लेकर मुंबई आई थीं- नोरा फतेही 2014 में बॉलीवुड में करियर शुरू करने के लिए केवल रु5,000 लेकर मुंबई पहुंची थीं। नोरा कहती हैं- मुझे यह भी नहीं पता था कि 1000 डॉलर क्या होते हैं। मैं एक अपार्टमेंट में नौ लड़कियों के साथ रहती थी। वहां अक्सर सोचती थी कि मैं किस मुसीबत में फंस गई हूं। हिंदी न आने पर उड़ाया जाता था मजाक- नोरा ने बताया कि भारत आने के बाद सबसे बड़ी चुनौती भाषा थी। हिंदी न जानने की वजह से ऑडिशन में उन्हें बार-बार रिजेक्ट किया जाता था। कई बार लोग उनके उच्चारण और एक्सेंट का मजाक उड़ाते थे। हालांकि उन्होंने हार नहीं मानी और लगातार खुद को बेहतर बनाने की कोशिश करती रहीं। लगा था मुंबई पहुंचते ही स्टार बन जाएंगी- नोरा कहती हैं- फिल्म इंडस्ट्री में आने से पहले मैंने कोई तैयारी नहीं की थी। मुझे लगा था कि मुंबई पहुंचते ही स्टार बन जाऊंगी। मैंने कपड़े पैक किए और मुंबई आ गई। यहां आने के बाद पता चला कि बहुत कुछ सीखना है। मुझे हिंदी नहीं आती थी। हिंदी मेरे लिए विदेशी भाषा थी। सबसे पहले हिंदी सीखी और खुद को परफॉर्मर के तौर पर तैयार किया। कैटरीना कैफ और जैकलीन फर्नांडिस से मिली प्रेरणा-नोरा कहती हैं- मैंने बॉलीवुड में कभी काम करने के बारे में नहीं सोचा था। इंडस्ट्री में आने से पहले मैंने 'देवदास' और 'कुछ कुछ होता है' जैसी फिल्में देखी थीं। मुझे लगता था कि सिर्फ इंडियन लड़कियां ही बॉलीवुड में एक्ट्रेस बन सकती हैं। बॉलीवुड में काम करने की प्रेरणा मुझे कैटरीना कैफ और जैकलीन फर्नांडिस से

मिली। फिर मैंने बहुत ऑडिशन देने शुरू किए। गुजारे के लिए किया वेटर का काम, बेचे लॉटरी टिकट- स्ट्रगल के दिनों में आर्थिक स्थिति इतनी खराब थी कि उन्हें गुजारे के लिए छोटे-मोटे काम करने पड़े। नोरा ने कॉफी शॉप में वेटर का काम किया और लॉटरी टिकट भी बेचे। मॉडलिंग और छोटे प्रोजेक्ट्स मिलने लगे थे, लेकिन कई बार काम के बाद भी भुगतान नहीं मिलता था। कई दिन सिर्फ ब्रेड और अंडे खाकर बिताए-नोरा के लिए सबसे मुश्किल समय वह था जब पैसों की कमी

के कारण उन्हें खाने तक के लिए संघर्ष करना पड़ता था। उन्होंने बताया कि कई बार दिनभर सिर्फ ब्रेड और अंडे खाकर गुजारा करना पड़ा। इसके बावजूद उन्होंने मुंबई छोड़ने का विचार नहीं किया और अपने सपनों के लिए डटी रहीं। हफ्ते के 3 हजार रुपए में चलाना पड़ता

था खर्च-अपने स्ट्रगल के दिनों को याद करते हुए नोरा फतेही कहती हैं कि उस समय जिस एजेंसी के साथ काम कर रही थी, वह उन्हें हफ्ते के सिर्फ 3 हजार रुपए देती थी। इतने कम पैसों में रोज का खर्च चलाना बहुत मुश्किल होता था। काम दिलाने का वादा कर 20 लाख रुपए ठग लिए-बॉलीवुड में पहचान बनाने से पहले मेरे साथ ठगी हुई। मैंने बताया था कि जब मैं कनाडा से भारत आई थी, तब मेरी पहली एजेंसी ने मुझे काम दिलाने का वादा किया। उनके कहने पर मैंने 20 लाख रुपए दे

दिए। लेकिन बाद में उनका व्यवहार बदल गया। जब मैंने एजेंसी छोड़ने और पैसे वापस मांगने की बात की, तो उन्होंने साफ कह दिया कि पैसे नहीं मिलेंगे।उस समय मैंने 20 लाख रुपए गंवा दिए। ये वही पैसे थे, जो मैंने एक विज्ञापन में काम करके कमाए थे। 'बिग बॉस 9' से मिली पहचान- साल 2015 में नोरा को टीवी के चर्चित रियलिटी शो 'बिग बॉस 9' में हिस्सा लेने का मौका मिला। शो में उनका सफर लंबा नहीं रहा, लेकिन इससे उन्हें दर्शकों के बीच पहचान मिलने लगी। इसके बाद उन्होंने कई डांस परफॉर्मेंस और फिल्मों में छोटे-बड़े मौके हासिल किए। नोरा फतेही ने 2014 में फिल्म 'रोरः टाइगर्स ऑफ द सुंदरबन्स' से बॉलीवुड डेब्यू किया। इसके बाद उन्हें साउथ इंडस्ट्री से भी कई फिल्मों के ऑफर मिले। नोरा 2015 में रिलीज हुई सुपरहिट फिल्म 'बाहुबली' के गाने 'मनोहरी' में नजर आई थीं। 'दिलबर' ने बदल दी जिंदगी-नोरा के करियर का सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट 2018 में आया, जब फिल्म 'सत्यमेव जयते' का गाना 'दिलबर' रिलीज हुआ। यह गाना जबरदस्त हिट साबित हुआ और नोरा रातोंरात देशभर में चर्चा में आ गईं।

उनके डांस स्टाइल, स्क्रीन प्रेजेंस और एक्सप्रेशंस ने दर्शकों का दिल जीत लिया। बिना पेमेंट के काम करने पड़े-हालांकि, करियर की शुरुआत में उन्हें फिल्मों में पैसे नहीं मिलते थे। नोरा कहती हैं- 'दिलबर' के अलावा भी मैंने कई गाने फ्री में किए हैं। उस समय पैसे कमाना मेरा उद्देश्य नहीं था। मैं फिल्म इंडस्ट्री में खुद को प्रूव करना चाहती थी, इसलिए पैसे की डिमांड नहीं की। इंडस्ट्री में लोगों के पास बहुत ऑप्शन हैं। मैं नहीं तो कोई और करेगा। मेरे लिए सबसे बड़ी बात मौका मिलना था। एक के बाद एक दिए सुपरहिट डांस नंबर- 'दिलबर' की सफलता के बाद नोरा ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। उन्होंने 'कमरिया', 'ओ साकी साकी' और 'गर्मी' जैसे कई सुपरहिट गानों में अपनी दमदार मौजूदगी दर्ज कराई। देखते ही देखते वह बॉलीवुड की लोकप्रिय डांस परफॉर्मर्स में शामिल हो गईं। गाने पर हुआ विवाद, मांगनी पड़ी थी माफी-नोरा फतेही हाल ही में फिल्म 'केडीः द डेविल' के गाने 'सरके चुनर तेरी सरके' को लेकर विवादों में घिर गई थीं। गाने के रिलीज होने के बाद सोशल मीडिया पर इसके बोल और प्रस्तुति पर आपतति जताई गई। कई लोगों ने आरोप लगाया कि गाने में महिलाओं को गलत तरीके से दिखाया गया है। मामला बढ़ने के बाद यह राष्ट्रीय महिला आयोग तक पहुंच गया। विवाद के बाद आयोग ने नोरा समेत गाने से जुड़े अन्य लोगों को पेश होने के लिए कहा। सुनवाई के दौरान नोरा आयोग के सामने पहुंचीं और लिखित रूप से माफी मांगी। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं था और एक कलाकार के तौर पर वे अपनी सामाजिक जिम्मेदारी समझती हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, नोरा ने आयोग को बताया कि उन्होंने गाने की शूटिंग एक अलग क्रिएटिव विजन के तहत की थी और रिलीज के समय हुए कुछ बदलावों की उन्हें पूरी जानकारी नहीं थी। उन्होंने यह भी कहा कि विवाद के बाद उन्हें मामले की गंभीरता समझ आई।

सुनवाई के दौरान उन्होंने सामाजिक पहल से जुड़ने की बात कही। रिपोर्ट्स के अनुसार, उन्होंने अनाथ लड़कियों की शिक्षा और सहयोग से जुड़े प्रयासों में योगदान देने की इच्छा जताई।

छोटे-छोटे रोल्स करके यहां तक पहुंची हूं-नोरा फतेही कहती हैं- छोटे-छोटे रोल्स करके यहां तक पहुंची हूं। मैं लोगों से कहती थी कि मेरे बारे में भी सोचें। यह कहने से पहले कई बार सोचती थी कि कैसे कहूं। 'दिलबर' के बाद लोगों को लगता था कि मैं सिर्फ गाने कर सकती हूं, लेकिन मुझे एक्टिंग करनी थी।

मुझे लगने लगा था कि गानों में टाइपकास्ट हो रही हूं। मैंने ऑडिशन देने शुरू किए। कुणाल खेमू ने मुझे 'मडगांव एक्सप्रेस' में मौका दिया।

नोरा फतेही की फिल्में और टीवी शोः- 2015- बाहुबली सॉन्ग- मनोहरी, 2016- रॉकी हैंडसम सॉन्ग- रॉक द पार्टी, 2018- सत्यमेव जयते सॉन्ग- दिलबर स्त्री- सॉन्ग- कमरिया, 2019- बाटला हाउस सॉन्ग- ओ साकी साकी मरजावां सॉन्ग- एक तो कम जिंदगानी, 2020 स्ट्रीट डांसर 3डी बतौर एक्ट्रेस, 2021 भुजः द प्राइड ऑफ इंडिया सत्यमेव जयते 2- सॉन्ग- कुसु कुसु 2022- थैंक गॉड- मानिके, 2024- क्रैक बतौर एक्ट्रेस मडगांव एक्सप्रेस बतौर एक्ट्रेस। टेलीविजन शोः-2015- बिग बॉस 9 बतौर कंटेस्टेंट, 2016- झलक दिखला जा 9 कंटेस्टेंट, 2018- एमटीवी डेटिंग इन द डार्क बतौर होस्ट, 2022 - डांस दीवाने जूनियर 1 बतौर जज झलक दिखला जा 10 बतौर जज, 2023 हिप हॉप इंडिया 1 बतौर जज, 6 मार्च 2021 को, फतेही पहली अफ्रीकी-अरब महिला कलाकार बनीं, जिनके गाने दिलबर ने यूट्यूब पर एक बिलियन व्यूज क्रॉस किए।

क्या नेगेटिव रेटिंग-रिव्यू से डरे टॉक्सिक मेकर्स,बुक माय शो से 5.5 रेटिंग गायब, जानिए क्यों अच्छी कमाई के बावजूद फिल्म पर है फ्लॉप का खतरा

मुंबई। केजीएफ स्टार यश की फिल्म टॉक्सिक को लगातार दर्शकों के नेगेटिव रिव्यू मिल रहे हैं। सोशल मीडिया और अन्य वेबसाइट्स में फिल्म को काफी निराशाजनक रेटिंग मिली है। इसी बीच अब फिल्म के मेकर्स पर बुक माय शो से फिल्म की रेटिंग हटवाने के आरोप लग रहे हैं। बुक माय शो पर आमतौर पर हर रिलीज हुई फिल्म की रेटिंग दिखाई जाती है। कुछ समय पहले तक फिल्म टॉक्सिक को बुक माय शो पर 5.5 रेटिंग मिली थी, लेकिन अब ये रेटिंग हटा दी गई है। इसके बदले वेबसाइट पर सिर्फ लाइक नजर आ रहे हैं। जबकि अन्य फिल्मों की रेटिंग अब भी मौजूद है। सोशल मीडिया यूजर्स ने दावा किया कि दर्शकों से खराब रिव्यू मिलने के बाद रेटिंग हटा दी गई। हालांकि, रेटिंग हटाने को लेकर बुक माय शो या फिल्म के निर्माताओं की ओर से कोई जानकारी नहीं दी गई है। एक्स के एक यूजर ने आरोप लगाते हुए लिखा, 'बुक माय शो ने टॉक्सिक फिल्म की रेटिंग बंद कर दी। यह इतनी खराब थी कि 5.5/10 मिली, बीएमएस के इतिहास में सबसे खराब।' एक दिन में कमाए 100 करोड़, फिर फ्लॉप का डर क्यों? फिल्म टॉक्सिक 26 अगस्त को रिलीज हुई। इंडस्ट्री ट्रैकर वेबसाइट सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने पहले दिन ही भारत में 101 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है। लेकिन इसके बावजूद फिल्म के फ्लॉप होने के अनुमान लगाए जा रहे हैं। वजह है फिल्म की हाइप और अब आने वाले नेगेटिव रिव्यू। पहले दिन फिल्म को 24579 शोज मिले, जिसकी

ऑक्यूपेंसी 57 पर्सेंट रही। वीक डे होने के बावजूद, दर्शक बड़ी संख्या में फिल्म देखने पहुंचे, लेकिन दोपहर तक फिल्म के नेगेटिव रिव्यू चर्चा में आ गए। फिल्म की आलोचना का एक कारण ये भी रहा कि पिछले कुछ महीनों से मेकर्स लगातार इसे बड़े स्केल और बड़े बजट में तैयार करने की बात कर रहे थे, जिससे फिल्म से ज्यादा उम्मीदें जुड़ी थीं। जानिए क्यों उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकी टॉक्सिक-3 साल और 500-1000 करोड़ बजट- फिल्म 2023 में बनना शुरू हुई और 3 साल बाद 2026 में रिलीज हुई। फिल्म को 500-1000 करोड़ के बड़े बजट में बनाया गया, जिससे ये देश की सबसे महंगी फिल्मों में से एक बनी। जाहिर तौर पर इस बड़े बजट के साथ दर्शकों को बेहतरीन विजुअल और स्टोरी की उम्मीद थी, जिस पर फिल्म खरी नहीं उतरी। बार-बार पोस्टपोन- फिल्म सबसे पहले 10 अप्रैल 2025 को रिलीज होनी थी, हालांकि मेकर्स ने ये कहते हुए इसे पोस्टपोन कर दिया कि इसे विजुअली और बेहतरीन बनाने की जरुरत है। कुछ समय बाद इसे 19 मार्च 2026 के लिए शेड्यूल किया गया, जिस दिन धुरंधर 2 रिलीज हुई। मेकर्स ने रिलीज से ठीक पहले इसे पोस्टपोन कर दिया और मिडिल ईस्ट वॉर का हवाला दिया। इसके बाद फिल्म 4 जून 2026 और फिर बाद में 26 अगस्त के लिए शेड्यूल की गई। बार-बार पोस्टपोन करने से फैंस में इसे लेकर एक्साइटमेंट थीं, लेकिन जब फिल्म आई, तो इसमें कोई खास कहानी या विजुअल इफेक्ट्स नजर नहीं आए, जिनका हवाला देकर फिल्म बार-बार पोस्टपोन की गई। कास्टिंग दमदार, लेकिन किरदारों में असर नहीं- इस फिल्म की कास्टिंग लंबे समय से चर्चा में थी। फिल्म में कन्नड़ स्टार यश के साथ बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेस में से एक कियारा आडवाणी की कास्टिंग हुई। ये कियारा की मदरहुड के बाद कमबैक फिल्म थी। उन्होंने कुछ समय पहले ही बॉलीवुड की सबसे बड़ी फ्रैंचाइजी में से एक डॉन की तीसरी फिल्म डॉन 3 छोड़ी थी। फैंस को उम्मीद थी कि डॉन 3 छोड़ने के बाद अगर कियारा ने कमबैक के लिए टॉक्सिक चुनी है, तो इसमें उनका किरदार दमदार होगा, लेकिन फिल्म देखने के बाद हर कोई निराश था। कियारा के किरदार को कम स्क्रीनटाइम दिया गया है, उनका किरदार फिल्म में कोई असर नहीं छोड़ता। उनकी जगह कोई और एक्ट्रेस भी होतीं, तो बड़ा फर्क नहीं पड़ता।

फीमेल स्टारकास्ट की भरमार- फिल्म में साउथ सुपरस्टार नयनतारा, बॉलीवुड स्टार कियारा आडवाणी, ट्रेंडिंग एक्ट्रेस तारा सुतारिया, हुमा कुरैशी और रुक्मिणी वसंत हैं। कहने को फिल्म में बॉलीवुड की 3 बड़ी एक्ट्रेस हैं, साउथ की एक्ट्रेस हैं, लेकिन इन सभी किरदारों की कोई अपनी कहानी नहीं हैं। ये सभी किरदार लीड एक्टर यश के किरदार के इर्द-गिर्द ही नजर आते हैं। ये कास्टिंग महज फिल्म में बड़े नाम जोड़ने जैसी लगती है।

प्रेग्नेंसी में बढ़ता गॉल ब्लेडर स्टोन का खतरा,जानें बचाव के तरीके

जयपुर। गॉल ब्लैडर शरीर का एक छोटा लेकिन बहुत जरूरी ऑर्गन है। ये पित्त को स्टोर करता है और पाचन में मदद करता है। लेकिन महिलाओं में प्रेग्नेंसी के दौरान शरीर में होने वाले हॉर्मोनल बदलाव गॉल ब्लैडर के काम करने के तरीके को प्रभावित कर सकते हैं। इसी कारण प्रेग्नेंसी में कुछ महिलाओं में

गॉल ब्लैडर स्टोन बनने का खतरा बढ़ जाता है। 'द जर्नल ऑफ ओबेस्ट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी ऑफ इंडिया' में पब्लिश स्टडी के मुताबिक, प्रेग्नेंसी के दौरान शरीर में होने वाले हॉर्मोनल और मेटाबॉलिक बदलाव गॉलब्लैडर स्टोन का खतरा काफी बढ़ा देते हैं। ऐसे में ये समझना जरूरी है कि आखिर ऐसा क्यों होता है। विषय को बारीकी से समझेंगे सवाल जवाब के माध्यम से एक्सपर्ट- डॉ. पंखुड़ी गौतम, सीनियर कंसल्टेंट, आब्सटेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी, कोकून हॉस्पिटल, जयपुर जी के साथ। सवाल- गॉलब्लैडर का हमारे शरीर में क्या काम है? जवाब- गॉलब्लैडर का मुख्य काम लिवर द्वारा बनाए गए बाइल जूस (पित्त) को जमा करना होता है। यह बाइल जूस खाना पचाने में शरीर की मदद करता है। इसलिए जब हम खाना खाते हैं तो गॉलब्लैडर बाइल जूस रिलीज करता है। यह खासतौर पर फैट को एनर्जी में बदलने में मदद करता है। कुल मिलाकर गॉलब्लैडर पाचन तंत्र का एक छोटा लेकिन अहम हिस्सा है। सवाल- गॉलब्लैडर स्टोन क्यों होता है? जवाब- कुछ कंडीशंस में गॉलब्लैडर में जमा हो रहा बाइल जूस बाहर नहीं निकल पाता, जिसके कारण स्टोन की समस्या हो सकती हैं। इसके कई कारण हैं- जब बाइल जूस लंबे समय तक गॉलब्लैडर में जमा रहता है, यह पूरी तरह खाली नहीं हो पाता है। जब बाइल जूस का फ्लो बहुत धीमा हो जाता है। जब शरीर जरूरत से ज्यादा कोलेस्ट्रॉल बनाता है, यह गॉलब्लैडर में जमा हो जाता है। इन कंडीशंस में बाइल जूस और कोलेस्ट्रॉल आपस में मिलकर छोटे-छोटे ठोस कण बना लेते हैं, जो आगे चलकर पथरी का रूप ले सकते हैं। सवाल- महिलाओं में प्रेग्नेंसी के दौरान और बाद में गॉलब्लैडर स्टोन क्यों विकसित होते हैं? जवाब- प्रेग्नेंसी और डिलीवरी के बाद महिलाओं में गॉलस्टोन की मुख्य वजह हॉर्मोनल बदलाव हैं।

प्रेग्नेंसी के दौरान एस्ट्रोजेन और प्रोजेस्टेरोन हॉर्मोन का लेवल बढ़ जाता है। ये हॉर्मोन जरूरी होते हैं, लेकिन पित्त का संतुलन प्रभावित करते हैं। एस्ट्रोजेन पित्त में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ा देता है।

प्रोजेस्टेरोन गॉलब्लैडर की मसल्स को सॉफ्ट कर देता है। इसके कारण गॉलब्लैडर से पित्त निकलने में मुश्किल होती है। लंबे समय तक गॉलब्लैडर में पित्त जमा रहने से ये कोलेस्ट्रॉल के साथ मिलकर क्रिस्टल बनाने लगता है। ये क्रिस्टल धीरे-धीरे सख्त होकर गॉलस्टोन में बदल जाते हैं। सवाल- महिलाओं में गॉलब्लैडर स्टोन विकसित होने के रिस्क फैक्टर्स क्या हैं? जवाब- कुछ कंडीशंस महिलाओं में गॉलब्लैडर स्टोन का रिस्क बढ़ा सकती हैं। सवाल- प्रेग्नेंसी के दौरान गॉलब्लैडर प्रॉब्लम के क्या लक्षण होते हैं? जवाब- कई मामलों में गॉलस्टोन होने पर कोई लक्षण नहीं दिखता है। इन्हें 'साइलेंट गॉलस्टोन' कहा जाता है। इसके कारण गॉलब्लैडर के कामकाज में बहुत फर्क भी नहीं पड़ता है। लेकिन कुछ मामलों में गॉलब्लैडर में अचानक असहनीय दर्द भी हो सकता है। ये लक्षण अक्सर तीसरी तिमाही या प्रसव के बाद ज्यादा दिखते हैं। ऐसे लक्षण दिखें तो तुरंत डॉक्टर को दिखाना चाहिए। सवाल- प्रेग्नेंसी के दौरान गॉलब्लैडर स्टोन का इलाज कैसे किया जाता है? जवाब- अगर प्रेग्नेंसी के दौरान गॉलस्टोन डायग्नोज हुआ है, लेकिन कोई लक्षण नहीं दिख रहा है तो आमतौर पर इलाज की जरूरत नहीं होती है। हालांकि, डॉक्टर इसे लगातार मॉनीटर करते हैं, ताकि भविष्य में कोई लक्षण उभरे तो समय पर इलाज किया जा सके।

अगर लक्षण गंभीर हैं या किसी कॉम्पलिकेशन का रिस्क है तो तुरंत इलाज जरूरी होता है। अगर दर्द बहुत ज्यादा है तो 'गॉलब्लैडर रिमूवल सर्जरी' की जरूरत पड़ सकती है। सवाल- प्रेग्नेंसी में गॉलब?लैडर स्टोन होने पर कि?न बातों का ख्याल रखें? जवाब- प्रेग्नेंसी में गॉलब्लैडर स्टोन होने पर खानपान से लेकर लाइफस्टाइल तक ज्यादा सावधानी रखनी पड़ती है।

कुछ छोटे बदलाव करके गॉलब्लैडर स्टोन से जुड़े लक्षणों को कंट्रोल किया जा सकता हैं। पॉइंटर्स से समझते हैं- ऑयली फूड न खाएंः भारी और ऑयली फूड न खाएं। ज्यादा फैट और तला-भुना खाना गॉलब्लैडर पर दबाव डालता है, जिससे दर्द बढ़ सकता है।फाइबर से भरपूर डाइट लेंः अपनी डाइट में फल, हरी सब्जियां, दालें और साबुत अनाज शामिल करें।

फाइबर न केवल पाचन को दुरुस्त रखता है, बल्कि स्टोन की समस्या में भी राहत देता है। एक साथ ज्यादा न खाएंः पेट भरकर एक बार में खाने की बजाय, दिन भर में छोटे-छोटे मील लें। इससे पाचन तंत्र पर बोझ नहीं पड़ता और दर्द का खतरा कम हो जाता है। हाइड्रेटेड रहेंः शरीर को हमेशा हाइड्रेटेड रखें। पर्याप्त पानी पीने से पित्त (बाइल) पतला रहता है, जिससे गॉलब्लैडर में सूजन और जलन की आशंका कम हो जाती है। स्ट्रेस मैनेज करेंः प्रेग्नेंसी में तनाव हॉर्मोनल संतुलन बिगाड़ सकता है, जिसका असर गॉलब्लैडर पर भी पड़ता है। मन शांत रखने के लिए योग, मेडिटेशन करें।

सवाल- प्रेग्नेंसी के दौरान गॉलब्लैडर स्टोन को कैसे रोका जा सकता है? जवाब- प्रेग्नेंसी के दौरान गॉलस्टोन से बचाव का सबसे अच्छा तरीका हेल्दी लाइफस्टाइल और समय-समय पर हेल्थ चेकअप है। इससे शुरुआती स्टेज में ही स्टोन का पता चल सकता है।

अगर स्टोन पहले से है, तो सिर्फ डाइट बदलने से स्टोन खत्म नहीं होते, लेकिन लक्षणों को काफी हद तक कंट्रोल किया जा सकता है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।